RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 312 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती : **देश भर में 'Run for Unity' का आयोजन, लोगों ने ली एकता की शपथ**

इतिहास बनाने के लिए हमें मेहनत करनी चाहिए : पीएम

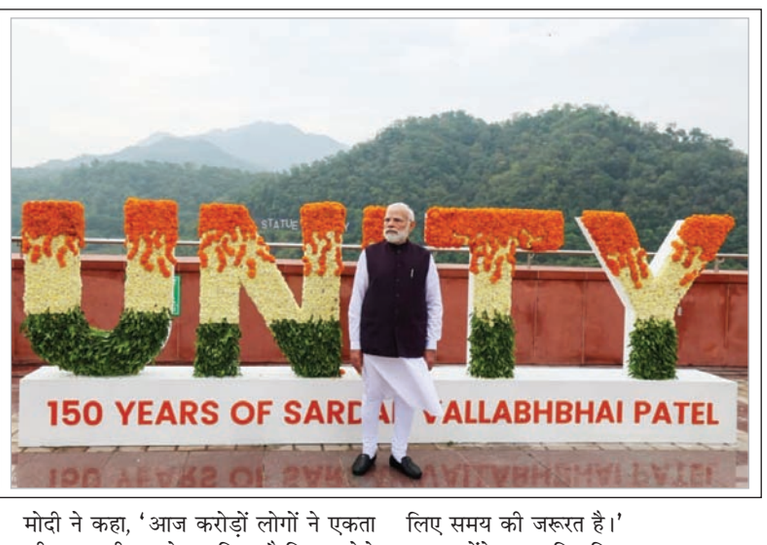

नई दिल्ली (एजेंसी)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 140 करोड़ भारतीयों को बधाई देता हूं। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से ज्यादा रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने का नामुमकिन सा काम पूरा किया। प्रधानमंत्री ने गुजरात में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित कार्यक्रम में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली। हमने तय किया है कि हम ऐसे कामों को बढ़ावा देंगे जो देश की एकता को मजबूत करें। हर वो सोच या काम जो हमारे देश की एकता को कमजोर करता है, उसे हर नागरिक को छोड़ना होगा। यह हमारे देश के लिए समय की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि जिस तरह हम 140 करोड़ देशवासी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, वैसे ही एकता दिवस का महत्व हमारे लिए प्रेरणा और **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

भारत की एकता व अखंडता को सुदृढ बनाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बिहार में एनडीए का घोषणा-पत्र जारी

एक करोड़ नौकरी, 4 शहरों में मेटो, मुफ्त बिजली व इलाज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एनडीए ने शुक्रवार को अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम और आरएलएम के शीर्ष नेताओं ने साझा रूप से अपने चुनावी वादों का एलान किया है। केंद्रीय मंत्री-भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री-एचएएम (एस) संरक्षक जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री-एलजेपी (आरवी) प्रमुख चिराग पासवान, आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और अन्य ने पटना में एनडीए का 'संकल्प पत्र' जारी किया।

NDA के संकल्प पत्र में क्या है खास...

1 करोड़ सरकारी नौकरी एवं रोजगार, कौशल जनगणना करके कौशल आधारित रोजगार प्रदान किए जाएंगे **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

लौह पुरूष पटेल की जयंती पर एकता व अखंडता का संदेश

नोएडा (चेतना मंच)। भारत की एकता, अखण्डता एवं राष्ट्रीय एकजुटता के शिल्पकार, लौह पुरुष 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती एवं 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर नोएडा पुलिस द्वारा नोएडा स्टेडियम में Run for Unity कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, RWA के पदाधिकारी व सदस्य, AOA के पदाधिकारी व सदस्य, पुलिस अधिकारी, साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, पैरा ओलम्पियन, सिंगर, एक्टर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा 'Run for Unity' में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर राष्ट्रीय एकता, सद्भाव का संदेश दिया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भव्य 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस दौड़ का उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने बताया कि 'रन फॉर यूनिटी' के भव्य आयोजन में पुलिसकर्मियों, एनसीसी कैडेट्स, छात्रों, स्वयंसेवी संगठनों, और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

पटेल ने ही रखी थी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत की नींव' : डॉ. राधा मोहन

150वीं जयंती पर शिल्पहाट में 'रन फॉर यूनिटी' का हुआ आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। भारत रत्न तथा देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने ही 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की नींव रखी थी। यह बात कही राज्यसभा सांसद तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधा मोहनदास अग्रवाल ने। वे आज सेक्टर-33ए स्थित शिल्पहाट के गेट नम्बर-3 पर पटेल जी की 150वीं जयंती पर आयोजित 'रन फार यूनिटी' का शुभारंभ करने के पूर्व संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जहाँ नेहरू जी और इंदिरा जी ने स्वयं को भारत रत्न से सम्मानित किया, वहीं सरदार पटेल को यह सम्मान कई वर्षों बाद एक गैर-गांधी परिवार के प्रधानमंत्री द्वारा मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरे देश में इस दौड़ के माध्यम से सरदार पटेल के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जन-जन तक पहुँचा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एकता, अखंडता व राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भारत की अखंडता और एकता को अपने कर्मों से साकार किया। दौड़ कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, क्षेत्रीय महामंत्री ठाकुर हरीश सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष जुगराज चौहान, योगेंद्र चौधरी तथा मनोज गुप्ता, महामंत्री चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

नामी यूनिवर्सिटी से नाबालिग लड़की गायब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने के आरोप में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। नाबालिग किशोरी एक नामी यूनिवर्सिटी की छात्रा है। प्रियांशु अग्रवाल (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने 5 अगस्त 2025 को अपनी बेटी का एडमिशन दादरी क्षेत्र की एक नामी यूनिवर्सिटी में करवाया था। दिवाली की छुट्टी पर उनकी बेटी घर आई थी। छुट्टियां खत्म होने के बाद वह वापस पढ़ाई के लिए यूनिवर्सिटी चली आई। 29 अक्टूबर को पता चला कि उनकी बेटी को आशीष नाम का युवक बहला-फुसलाकर ले गया है। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित के मुताबिक उनकी **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

पूर्व आईएएस की विकलांग वृद्ध बहन के साथ परिजनों ने की धोखाधड़ी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक पूर्व आईएएस की वृद्ध बहन के साथ उनके ही परिजनों ने पैसों के लालच में धोखाधड़ी कर उनके बैंक खाते से फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए पैसे निकाल लिए। शहर के वीआईपी सेक्टर में रहने वाले परिजनों ने वृद्ध महिला को घर से भी निकाल दिया है। वृद्धा हाल में बुलंदशहर के डिबाई में अपने पैतृक गांव के मंदिर में रह रही है। पीड़िता ने थाना फेस वन में मुकदमा दर्ज कराया है। कुमारी दमयंती सिंह (70 वर्षीय) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह जन्म से ही विकलांग है और बोल नहीं सकती हैं। वह रिटायर्ड आईएएस स्वर्गीय देशराज सिंह की छोटी बहन है और 1963 से वह अपने भाई के साथ ही रह रही थी। उनका एक मकान सेक्टर-15ए में था जिसमें वह अपने भाई के साथ रह रही थी। उनके छोटे भाई की विधवा पत्नी अलका अपनी दो पुत्री मेघा व राधिका के साथ वर्ष 2007 में उनके साथ रहने लगे। कुछ दिनों बाद उन्होंने उसे घर से निकाल दिया और वह अकेले वर्तमान में डिबाइ जिला बुलंदशहर में अपने पैतृक मंदिर में **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

19 सब स्टेशनों के लिए प्राधिकरण देगा जमीन

सीईओ ने मुख्य अभियंता को दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में विद्युत आपूर्ति बढ़ाने व खामियों को दुरूस्त करने की दिशा में नोएडा प्राधिकरण विद्युत विभाग को हरसंभव मदद दे रहा है। इसी क्रम में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने 19 सबस्टेशन बनाने के लिए मातहत अफसरों को जमीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता (वितरण) संजय कुमार जैन तथा महाप्रबंधक ने सीईओ डॉ. लोकेश एम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-63 डी, 63 सी, 63 एच, 117, एनएसईजेड, 80 न्यू-11, भंगेल, 80 सी, 140, 138, 124, 126, 16, 108, 132, 8, 50/2ग 10 क्षमता के 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्रों के निर्माण के लिए जमीन मांगी।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अपने अधीनस्थों को निर्देशित करते हुए अविलंब नोएडा एवं विद्युत विभाग के संयुक्त सर्वे/निरीक्षण उपरांत उपकेंद्रों के निर्माण हेतु भूमि का चिन्हीकरण कर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इसके अतिरिक्त मुख्य अभियंता (वितरण) ने नोएडा क्षेत्र, नोएडा में 15 नवंबर, 2025 से जनपद गौतमबुद्धनगर में लागू होने जा रही नई व्यवस्था के संबंध में भी अवगत कराया गया है, जिससे जनपद के 4.5 लाख विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उक्त व्यवस्था में वर्तमान में जनपद गौतमबुद्धनगर **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सड़क हादसों में मध्य प्रदेश की महिला व हरियाणा के व्यक्ति की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला व एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना रबूपुरा में दर्ज कराई रिपोर्ट में जनपद टीकमगढ़ मध्य प्रदेश निवासी कमलेश कुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने बताया कि वह 29 अक्टूबर को मध्य प्रदेश से रबूपुरा आ रहा था। सुबह के समय वह यमुना एक्सप्रेसवे पर ग्राम खेड़ा मोहम्मदाबाद पुल के समीप बस से उतरकर अपनी पत्नी बेटी के साथ पैदल जा रहा था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों को चोटें आई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

दो मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग स्थानों से दो लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना बिसरख में रजनीश शुक्ल ने अपना मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि वह एसकेएस वर्ल्ड स्कूल वाली सड़क पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने के लिए गया था। खरीदारी के दौरान भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए किसी व्यक्ति ने उनकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। वहीं थाना सेक्टर-63 में सनत गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 अक्टूबर की शाम को अपने कॉलेज से मेट्रो ट्रेन पकड़ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन पर आया था। यहां पर किसी व्यक्ति ने उसकी जेब से आईफोन 16 चोरी कर लिया।

प्रयोग विफल

आखिरकार, लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित कृत्रिम बारिश का प्रयोग सिरे नहीं चढ़ सका है। अन्तत: दिल्ली में यह बहु-प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ाने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन-प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है। ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ाने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी। फिर भी यदि सरकार आगे बढ़ी तो निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकार की प्राथमिकता परिणामों के बजाय इससे मिलने वाले प्रचार को लेकर ज्यादा रही। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या दिल्ली सरकार समस्या के वास्तविक समाधानों की अनदेखी करते हुए कृत्रिम बारिश को सिरे चढ़ाने वाले महंगे विकल्पों पर दांव लगा सकती है? वास्तव में हमें प्रदूषण की जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। कृत्रिम बारिश एक फौरी विकल्प तो हो सकता है,लेकिन समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। वास्तव में आज जरूरत प्रदूषण उत्सर्जन के स्रोतों को बंद करने की है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करें। सरकार की प्राथमिकता वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, साल भर चलने वाले निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण अनुकूल मानदंडों को सख्ती से लागू करने की होनी चाहिए। सरकार को चाहिए था कि खर्चीली कृत्रिम बारिश की योजना को सिरे चढ़ाने के बजाय हवा को अधिक प्रभावी ढंग से साफ करने को तरजीह दी जाती। निर्विवाद रूप से यह असफल प्रयोग सत्ताधीशों की एक बड़ी बीमारी को भी दर्शाता है, जो प्रदूषण नियंत्रण को बतौर कारगर नीति लागू करने के बजाय उसके समाधान के प्रयासों को प्रचारित करने की प्रवृत्ति से ग्रसित हैं। दिल्ली की कई सरकारों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण कार्य में प्रगति कम हुई है और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करके लोकलुभावनी योजनाओं का ज्यादा प्रचार होता रहा है। ऐसी नीतियों को सिरे चढ़ाने में सख्त अनुशासन की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण के संकट का समाधान हेलीकॉप्टरों के जरिये आकाश में रसायन बिखेरने से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सुशासन, निरंतर योजना को क्रियान्वित करने और वैज्ञानिक उपायों को सिरे चढ़ाने में दृढ़ता दिखाने से होगा। कृत्रिम बारिश के इस प्रयोग की विफलता के बावजूद भविष्य में ऐसे प्रयोगों से हाथ पीछे खींचना भी उचित नहीं होगा। भले ही इस बार बादलों ने साथ नहीं दिया, लेकिन भविष्य में अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। इस प्रयोग का सबक है कि दिल्ली के लाखों लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये वैज्ञानिक संस्थानों और नागरिक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ ऐसी योजनाओं को सिरे चढ़ाना चाहिए।

शक्ति संतुलन की राजनीति में ट्रंप

दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बसान में हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात को वैश्विक कूटनीतिक मंच पर एक बहुप्रतीक्षित क्षण कहा गया। दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने वार्ता 2019 के बाद हुई और उस पर विश्व की निगाहें इसलिए भी टिकी थीं क्योंकि अमेरिका चीन व्यापार युद्ध ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झकझोरा है, बल्कि आर्थिक विश्वास और राजनीतिक स्थिरता दोनों को हिला दिया है।

ट्रम्प ने बैठक के बाद घोषणा की कि उन्होंने चीन पर लगाए गए टैरिफ को 57 प्रतिशत से घटाकर 47 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। इसके बदले में चीन ने तीन महत्वपूर्ण वादे किए— पहला, अमेरिकी सोयाबीन की खरीद तुरंत शुरू करना; दूसरा, दुर्लभ खनिज के निर्यात को जारी रखना और तीसरा, फेंटेनिल जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना। सतही तौर पर यह एक संतुलित सौदा प्रतीत होता है कि दोनों देशों ने कुछ दिया और कुछ लिया। परंतु प्रश्न यह है कि क्या शी जिनपिंग ने वास्तव में कोई रणनीतिक उपलब्धि हासिल की, या यह केवल प्रतीकात्मक राहत है जिसे घरेलू राजनीतिक संतुलन साधने के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है?

देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह 'महान कूटनीतिक जीत' नहीं कही जा सकती।

देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह 'महान कूटनीतिक जीत' नहीं कही जा सकती। चीन पहले से ही 57 प्रतिशत के उच्च टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो चुका था। ऐसे में 47 प्रतिशत पर लौटना किसी बड़ी संरचनात्मक सुधार की गारंटी नहीं देता। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि यह अमेरिका की ओर से नियंत्रित नरमी का संकेत है, ताकि दोनों देशों के बीच संवाद की संभावना बनी रहे।

शी जिनपिंग ने अपने हिस्से की रियायतें ऐसे क्षेत्रों में दीं जो सीधे-सीधे चीन के हितों को बहुत प्रभावित नहीं करते। उदाहरण के लिए, सोयाबीन की खरीद— यह चीन की खाद्य आवश्यकताओं का हिस्सा है, न कि किसी नयी उदारता का प्रतीक। इसी तरह, rare earths का निर्यात जारी रखना भी चीन की आर्थिक आत्मनिर्भरता के खिलाफ नहीं जाता; बल्कि यह विश्व बाजार में उसकी पकड़ बनाए रखने का ही तरीका है।

हम आपको यह भी बता दें कि बसान वार्ता से ठीक पहले ट्रम्प ने अमेरिका के Department of War को परमाणु हथियार परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया था। यह घटना केवल संयोग नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट सामरिक संकेत थी कि अमेरिका यह जताना चाहता था कि उसकी डील कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन के साथ आ रही है। इस संदर्भ में यदि शी जिनपिंग ने 10 प्रतिशत टैरिफ रियायत के बदले में बातचीत को पटरी पर लौटाया, तो यह उनकी कूटनीतिक विवेकशीलता तो दर्शाता है, पर यह कोई रणनीतिक विजय नहीं है।

चीन के लिए बड़ी चुनौती यह है कि वह आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भरता कम करना चाहता है, पर विश्व आपूर्ति श्रृंखला में उसकी भूमिका अभी भी नाजुक है। rare earths और तकनीकी उद्योगों के नियंत्रण के बावजूद, चीन को यह एहसास है कि अमेरिका की तकनीकी रोकथाम (AI, चिप्स, हाई-टेक एक्सपोर्ट बैन) ने उसकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को सीमित किया है। इसलिए बसान की बैठक को चीन द्वारा रणनीतिक स्थिति-संतुलन के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी निर्णायक जीत के रूप में।

उधर, डोनाल्ड ट्रम्प ने बैठक के बाद इसे great success कहा और अप्रैल में चीन की यात्रा की घोषणा भी की। परंतु ट्रम्प की सफलता का वास्तविक अर्थ घरेलू राजनीति में है। वह अमेरिकी मतदाताओं को दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने चीन को कठोरता से घेरा, पर अंतत: अपने उद्योगों के लिए व्यावहारिक सौदेबाज़ी भी की। अमेरिकी कृषि राज्यों के लिए सोयाबीन व्यापार पुन: आरंभ होना ट्रम्प के लिए चुनावी पूंजी जैसा है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि बसान वार्ता से एक दिन पहले ही ट्रम्प प्रशासन ने रूस के परमाणु परीक्षणों के जवाब में अमेरिका द्वारा नए परमाणु हथियार परीक्षण की घोषणा की थी। इस प्रकार, अमेरिका ने एक ही मंच से दो संदेश दिये— रूस को सैन्य चुनौती और चीन को व्यापारिक नियंत्रित रियायत। यह वही द्विस्तरीय शक्ति प्रदर्शन है जिसकी नीति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी झलकती थी।

देखा जाये तो यह वार्ता केवल अमेरिका और चीन के बीच नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन की दिशा तय करने वाली घटना थी। APEC का मंच, जो कभी मुक्त व्यापार और सहयोग का प्रतीक था, अब शक्ति-संतुलन और नियंत्रण का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियाँ और चीन की प्रतिकारी व्यापार रणनीति इस मंच की मूल भावना को चुनौती दे रही हैं।

दूसरी ओर, विश्व निवेशक इस समझौते को लेकर अभी भी आशंकित हैं। एशियाई बाजारों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी सोयाबीन वायदा की कमजोरी बताती है कि बाज़ार को स्थायित्व का भरोसा नहीं है। इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब स्थायी सहमति की नहीं, बल्कि तत्काल अवसरों की राजनीति में फँस चुकी है।

बहरहाल, शी जिनपिंग के लिए बसान की बैठक निश्चित रूप से एक अवसर थी। उन्होंने यह दिखाया कि चीन संवाद और सहयोग की राह से बाहर नहीं है। परंतु वस्तुत: यह समझौता चीन के लिए रणनीतिक विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक है। उन्होंने टकराव को कुछ समय के लिए रोका, पर कोई नई भू-राजनीतिक या आर्थिक जीत हासिल नहीं की। मगर अमेरिका ने वही किया जो उसके हित में था। यानि कुछ नरमी दिखाकर वैश्विक मंच पर संतुलनकारी शक्ति की भूमिका निभाई। और चीन ने वही किया जो विवेक में था यानि कठोरता की बजाय व्यवहारिकता का चयन किया। बसान से निकला असली संदेश यही है कि इस युग में न तो कोई स्थायी मित्र है, न स्थायी प्रतिद्वंद्वी— केवल हित सर्वोपरि हैं और वही आज की विश्व व्यवस्था का वास्तविक आधार बन चुके हैं।

-नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि खारे समुद्र में तो इसका जन्म, फिर (उसी समुद्र से उत्पन्न होने के कारण) विष इसका भाई, दिन में यह मलिन (शोभाहीन, निस्तेज) रहता है, और कलंकी (काले दाग से युक्त) है। बेचारा गरीब चन्द्रमा सीताजी के मुख की बराबरी कैसे पा सकता है?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

घटइ बढ़इ बिरहिनि दुखदाई। ग्रसइ राहु निज संधिहिं पाई॥
कोक सोकप्रद पंकज द्रोही। अवगुन बहुत चंद्रमा तोही॥

फिर यह घटता-बढ़ता है और विरहिणी स्त्रियों को दु:ख देने वाला है, राहु अपनी संधि में पाकर इसे ग्रस लेता है। चकवे को (चकवी के वियोग का) शोक देने वाला और कमल का बैरी (उसे मुरझा देने वाला) है। हे चन्द्रमा! तुझमें बहुत से अवगुण हैं (जो सीताजी में नहीं हैं।)॥

बैदेही मुख पटतर दीन्हे। होइ दोषु बड़ अनुचित कीन्हे॥
सिय मुख छबि बिधु ब्याज बखानी। गुर पहिं चले निसा बड़ि जानी॥

अत: जानकीजी के मुख की तुझे उपमा देने में बड़ा अनुचित कर्म करने का दोष लगेगा। इस प्रकार चन्द्रमा के बहाने सीताजी के मुख की छबि का वर्णन करके, बड़ी रात हो गई जान, वे गुरुजी के पास चले॥

करि मुनि चरन सरोज प्रनामा। आयसु पाइ कीन्ह बिश्रामा॥
बिगत निसा रघुनायक जागे। बंधु बिलोकि कहन अस लागे॥

मुनि के चरण कमलों में प्रणाम करके, आज्ञा पाकर उन्होंने विश्राम किया, रात बीतने पर श्री रघुनाथजी जागे और भाई को देखकर ऐसा कहने लगे-॥

(क्रमश:..)

प्रदूषण पर राजनीति से नरक बनी दिल्ली

किसी भी देश की राजधानी देश के आतंरिक हालात का मापदंड हो सकती है। राजधानी की हालत देख कर बाकी देश के विकास की तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है। राजधानी दिल्ली की सूरत-सीरत से पता लगाया जा सकता है कि शेष भारत के क्या हालात हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि हर तरह के प्रदूषण के लिहाज से दिल्ली नरक बन चुकी है। दिल्ली की हवा, पानी, मिट्टी- सब प्रदूषित हो चुकी है। प्रदूषण का स्तर भी भयावह हो चुका है। स्विट्ज़रलैंड की एयर क्वालिटी फर्म आईक्यूएआईआर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली की हवा दिवाली के बाद तेजी से खराब हुई। पटाखों का धुआं, वाहनों के धुएं, निर्माण कार्य और पराली जलाने से हवा में जहरीले कण घुल गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली पर दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 रिकॉर्ड किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी और समय सारिणी तय की थी। दिल्ली-एनसीआर के शहरों में पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जमकर धज्जियां उड़ीं।

सुप्रीम कोर्ट ने रात आठ बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन लोगों ने आधी रात के बाद तक भी जमकर पटाखे फोड़े, जिसके चलते हवा को दमघोंटू बना दिया। दिल्ली सरकार और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां अब आपातकालीन कदमों पर विचार कर रही हैं, जिनमें स्कूल बंद करना, निर्माण कार्य रोकना और वाहनों के उपयोग को सीमित करना शामिल हो सकता है। दिल्ली के लोग वायु प्रदूषण के कारण कई बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें सांस की बीमारियां (अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, निमोनिया), हृदय रोग (हार्ट अटैक, स्ट्रोक) और जोड़ों की समस्याएं (गठिया) शामिल हैं। प्रदूषण से फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी आ रही है और जीवन प्रत्याशा भी कम हो रही है। पहले माना जाता था कि वायु प्रदूषण सिर्फ सांस की

बीमारियों का कारण बनता है, लेकिन अब विशेषज्ञों ने यह साफ कर दिया है कि पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म प्रदूषक शरीर के अंदर सूजन पैदा करके हड्डियों और जोड़ों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के रीयल टाइम आंकड़ों से पता चला है कि पटाखों के कारण दिल्ली के 26 सक्रिय ध्वनि निगरानी केंद्रों में से 23 ने तय सीमा से ज्यादा शोर दर्ज किया, जो पिछले साल 22 केंद्रों और 2023 में 13 केंद्रों से ज्यादा है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2022 के आदेश में प्राधिकारों को निर्देश दिया था कि वे ध्वनि प्रदूषण को वायु प्रदूषण के समान मानें तथा यह सुनिश्चित करें कि दोनों पर काबू के लिए उपायों को एक साथ लागू किया जाए। इसके बावजूद इस बार दीपावली पर सबसे तेज पटाखे रात 9 बजे से 11 बजे के बीच फोडने की आवाज दर्ज की गई। कई इलाकों में आधी रात के बाद भी उच्च स्तर दर्ज किए गए। शांत क्षेत्र भी तेज आवाज के शिकार हुए। वायु प्रदूषण लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। लैंसेट की वर्ष 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में हर साल होने वाली मौतों में से करीब 11.5 प्रतिशत मौतें वायु प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। यह स्टडी देश के 10 बड़े शहरों में की गई थी। इसमें पता चला है कि अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में हर साल औसतन 33000 से ज्यादा मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। दिल्ली की हवा ही नहीं पानी भी प्रदूषित हो चुका है।

प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट में बताया गया कि यमुना नदी में बैक्टीरिया लेवल 4000 गुना ज्यादा हो गया है। इस बार की रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि नदी की हालत साल दर साल गंभीर होती जा रही है। हालांकि फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना नदी की सफाई बड़ा मुद्दा बनकर उभरा था। दिल्ली-एनसीआर की मिट्टी लगातार प्रदूषण और शहरीकरण की मार झेलते हुए बंजर होती जा रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशन (आईआईएसडब्ल्यूसी), देहरादून की रिपोर्ट में खुलासा किया था कि कई जिलों की जमीन की उर्वरता और गुणवत्ता मान्य स्तर से नीचे गिर चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हालात नहीं सुधरे तो अगले 10 से 15 वर्षों में क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कृषि योग्य नहीं रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार गाजियाबाद के औद्योगिक इलाकों की मिट्टी में शीशा 180 मिलीग्राम प्रति किलो पाया गया, जबकि सुरक्षित सीमा 50 मिलीग्राम है। मिट्टी का जैविक कार्बन कंटेंट पिछले 15 वर्षों में 0.75 से घटकर 0.45 फीसदी पर आ गया है।

24 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अपशिष्ट पृथक्करण की दयनीय स्थिति पर केंद्र और कई राज्य प्राधिकारियों को फटकार लगाई। न्यायालय ने सभी एनसीआर राज्यों को अपशिष्ट प्रबंधन प्रयासों पर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि कार्रवाई न करने पर निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बावजूद दिल्ली-एनसीआर के हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ते चले गए। देश की राजधानी को मुस्लिम विदेशी आक्रांताओं ने हर बार लूटा था। आजादी के बाद दिल्ली देश के नीति-नियंताओं की लूट-खसौट का शिकार हो चुकी है। दिल्ली किसी भी दृष्टिकोण से जीने लायक नहीं रह गई। नेता और राजनीतिक दलों की वोट बैंक की राजनीति ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। नेता जब तक क्षुद्र स्वार्थों से हट कर नहीं सोचेंगे तब तक दिल्ली के हालात में सुधार की गुंजाइश नजर नहीं आती। इस तरह दिल्ली में वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और शोर प्रदूषण, सभी तरह का प्रदूषण देखा जा सकता है। अगर समय रहते ठोस उपाय नहीं किए गए, तो दिल्ली मानव जीवन के लिए जीने लायक नहीं रह पाएगी, ऐसा लगता है।

-योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्थिति थोड़ी ऊपर-नीचे रहेगी। प्रेम व संतान मध्यम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापारिक स्थिति थोड़ी नकारात्मक दिख रही है। सीने में विकार संभव है। पिता के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। कोई रिस्क मत लीजिए। चोट-चपेट लग सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन नकारात्मक दिन गुजरेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें और कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें, नुकसान संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गृहकलह के बड़े संकेत हैं। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है। व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। निवेश बिल्कुल वर्जित है। गंदी भाषा के प्रयोग से बचें। कुटुंबों से न उलझें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घबराहट-बेचैनी बनी रहेगी। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय व खर्च की अधिकता, अनाप-शनाप खर्चे। पार्टनरशिप में दिक्कत।

आईआईएमटी कॉलेज में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के तहत युवा सम्मेलन का भव्य आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आईआईएमटी कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ला उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा विकास श्रीवास्तव (बाबा), दादरी विधायक तेजपाल नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा तथा युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर शामिल हुए।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं से वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपनाने और नवाचार, उद्यमिता व स्वावलंबन की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश के पुनर्निर्माण का मार्ग है। जब भारत का युवा अपने कौशल, परिश्रम और नवाचार के साथ आगे बढ़ेगा, तभी सशक्त भारत का निर्माण संभव होगा। मैं युवाओं से आह्वान करता हूँ कि वे नौकरी पाने की नहीं, रोजगार देने की सोच रखें। क्योंकि भारत का भविष्य और आत्मनिर्भर भारत की आत्मा, हमारे युवा ही हैं।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि भाजपा सदैव युवाओं के विकास और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी रही है। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने हर युवा को यह विश्वास दिलाया है कि मेहनत और लगन से कोई भी ऊँचाई पाई जा सकती है। ग्रेटर नोएडा जैसे क्षेत्र में जहाँ शिक्षा और उद्योग का संगम है, वहाँ के युवाओं को देश की प्रगति में नेतृत्व की भूमिका निभानी चाहिए।

विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि युवा समाज की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, रोजगार और नवाचार के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा आत्मविश्वास के साथ अपने कौशल को राष्ट्र सेवा में लगाएंगे।

आईआईएमटी समूह के प्रबंध निदेशक डॉ. मयंक अग्रवाल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का विचार केवल सरकारी नीति नहीं, बल्कि हर नागरिक का संकल्प होना चाहिए। आईआईएमटी कॉलेज अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नवाचार, शोध और उद्यमिता की भावना से समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का आत्मनिर्भर भारत अभियान आज हर युवा के जीवन में दिशा देने वाला मंत्र बन चुका है। हमें 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को अपनाकर देश की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए।

जिला संयोजक सत्येंद्र नागर ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। आज हर युवा को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर डॉ. मयंक अग्रवाल, सत्येंद्र नागर, राज नागर, वीरेंद्र भाटी, कर्मवीर आर्य, अर्पित तिवारी, शक्ति रावल, बालेश्वर नागर, ऋषभ राज शर्मा, भगवत शर्मा, वसुंधरा झा, अशोक रावल, बृजेश ठाकुर, आकाश सिंघल, हरिदत्त शर्मा सहित सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में सामुदायिक जुड़ाव और 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम संपन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय ने सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहयोग की दिशा में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया।

शारदा स्कूल ऑफ लॉ ने शारदा वेलफेयर के सहयोग से ककराला गांव, गौतम बुद्ध नगर में सामुदायिक जुड़ाव एवं जनजागरूकता अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना और विश्वविद्यालय के छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ना था। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों के साथ संवाद कर समाज के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदना को मजबूत किया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) ऋषिकेश दवे, डीन, शारदा स्कूल ऑफ लॉ ने कहा सामुदायिक जुड़ाव के ऐसे कार्यक्रम छात्रों को वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों से जोड़ते हैं। वे न केवल संवेदनशील नागरिक बनते हैं, बल्कि कानून की भूमिका को समाज सेवा के माध्यम के रूप में समझते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. वैषाली अरोड़ा एवं डॉ. मनवेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. बर्नाली खारा, डॉ. निम्मी, श्री देशराज सिंह एवं आदित्य जायसवाल सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इसी दिन शारदा विश्वविद्यालय एवं नॉलेज पार्क थाना पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

दौड़ की शुरुआत शारदा विश्वविद्यालय परिसर से हुई और समापन डीसीपी ग्रेटर नोएडा कार्यालय के पास किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें पुलिस कर्मियों के साथ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी शामिल थे।

डीन छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार ने झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत की। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेश सिंह, कई सब-इंस्पेक्टर तथा पुलिस लाइन के जवान उपस्थित रहे।

उन्होंने सरदार पटेल के योगदानों को याद करते हुए कहा कि एकता और अखंडता के लिए सरदार पटेल का जीवन प्रेरणास्रोत है, और हमें उनके पदचिह्नों पर चलना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉ. अजीत कुमार, निदेशक जनसंपर्क, ने नॉलेज पार्क थाना प्रभारी का आभार जताया और ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर एसोसिएट डीन शांति नारायणन, एसआई सनी तोमर सहित अनेक विश्वविद्यालय और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

नए आपराधिक कानूनों के प्रति पुलिस का जागरूकता अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कल कोतवाली बीटा-2 थाना प्रभारी विनोद कुमार तथा जगत फार्म चौकी प्रभारी विकास यादव ने जगत फार्म मार्केट में व्यापारियों से संवाद कर उन्हें नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों की जानकारी दी।

अभियान के दौरान थाना पुलिस ने व्यापारियों को बताया कि नए कानूनों का उद्देश्य आम जनता को अधिक न्यायसंगत, त्वरित और पारदर्शी व्यवस्था प्रदान करना है। साथ ही, अपराध की रोकथाम में समाज की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस मौके पर मनजीत सिंह, हरेंद्र भाटी, राजीव बैसला, सुकेनदर यादव, राकेश शर्मा, प्रदीप सिंगल, ईशान सिंह, मुस्तकीम खान और इब्राहिम खान सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने कहा कि ऊँचाई पर वही लोग पहुँचते हैं जो जिंदगी में बदला नहीं, खुद में बदलाव लाने की सोच रखते हैं। समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कानून की जानकारी सबसे बड़ा हथियार है।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की टीवीएस अपाचे बाइक व चाकू बरामद हुआ है। वहीं थाना सेक्टर-49 पुलिस ने तमंचा सहित एक बदमाश को बंदी बनाया है।

थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-22 एफ ब्लॉक में वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सेक्टर-54 पुलिस चौकी की रेड लाइट की तरफ से बाइक सवार एक व्यक्ति पुलिस को देखकर वापस मुड़कर जाने लगा हड़बड़ी में उसकी बाइक डिसबैलेंस होकर डिवाइडर से टकराकर गिर गई। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया तलाशी में उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम निखिल कुमार पुत्र संजय कुमार निवासी जनपद हापुड़ बताया। वह हाल में गढ़वाली डेरी फार्म कि मुला कॉलोनी में रह रहा है। निखिल कुमार ने बताया कि उसने टीवीएस अपाचे बाइक कुछ दिन पहले दिल्ली के से चोरी की थी। चोरी की इस बाइक से वह अपराधी घटना को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था।

थाना सेक्टर-49 प्रभारी सुनील कुमार की सूचना के आधार पर सेक्टर 47 की सर्विस रोड पर संदिग्ध अवस्था में खड़े मानसिंह अहिरवार को हिरासत में लिया तलाशी लेने पर इसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह तमंचा शौक के लिए रखता है और वह इसे अपने गांव महोबा से लेकर आया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी पूर्व में भी कई बार चोरी व अन्य मुकदमों में जेल जा चुका है आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है

किसानों को आधार कार्ड देखकर सभी टोल पर निकाला जाएगा : खटाना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के किसानों की एक बहुत बड़ी समस्या जेवर टोल पर होती है जहां पर गौतम बुद्ध नगर के जेवर में दनकौर क्षेत्र के किसानों की तहसील ब्लॉक एवं थाना रघुपुरा और जेवर में ही लगता है 10 से 15 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को आए दिन जेवर जाने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है और उन्हें अपनी जेब ढीली करनी पड़ती है आने जाने पर बार-बार टोल देना पड़ता है जिसको लेकर जेवर टोल पर गाड़ी निकालने को लेकर टोल कर्मियों ने किसान के साथ बदतमीजी और गाली गलौज करी जिससे किसान ने गांव एवं किसान नेताओं से संपर्क किया और तुरंत मौके पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया आए दिन टोल कर्मी

क्षेत्र के लोगों से बदतमीजी एवं मारपीट करते हैं।

जेवर टोल पर धरना की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन सक्रिय हुआ और तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे सभी समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने कहा किसानों के लिए जेवर टोल आईडी के आधार पर फ्री कराया जाए जिससे क्षेत्र के लोगों को जेवर आने-जाने में कोई परेशानी ना हो एसडीएम जेवर ने बताया दोषी व्यक्तियों द्वारा जो बदतमीजी की गई है उन लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है और आने वाली 10 नवंबर को हम उच्च अधिकारियों से वार्ता कर टोल को आधार कार्ड देखकर किसानों के लिए फ्री कर दिया जाएगा।

इस मौके पर रॉबिन नागर अनित कसाना सुरेंद्र नागर राजे प्रधान राजीव मलिक सुनील प्रधान योगेश भाटी महेश खटाना जीते गुर्जर धर्मपाल स्वामी सुभाष सिलारपुर भिखारी प्रधान अनिल खटाना सुंदर खटाना ललित चौहान संदीप खटाना सुशील खटाना शाकीर सुधीर भाटी संजीव मोरना गुल हसन आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सूचना सं.: LS-GD-25-Repair-contact-R; कार्य का नाम:** "लोको शेड गोंडा के परम्परागत विद्युत लोको के लाइन कांटेक्टर-1500 एम्पियर, शंटिंग कांटेक्टर, एवं रिवर्स कांटेक्टर (जे1 एवं जे2)-1500 एम्पियर की आउटसोर्सिंग के माध्यम से ओवरहॉलिंग एक वर्ष के लिए" **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹2,11,32,441.50; **अग्रिम धन राशि (₹ में):** ₹2,55,700/-; **निविदा की अवधि:** 12 माह; **निविदा समापन तिथि समय:** 19.11.2025 को 15:00 बजे; **नोट: 1.** इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जाएगा। **2.** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें।

समंविइं/टीआरएस
मुजाधि/विद्युत-173 गोण्डा

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

इफ्को घियानगर में भव्य रूप से मना गया छठ महापर्व

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफ्को घियानगर फूलपुर में छठ पूजा का अंतिम दिन उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने साथ ही महापर्व सम्पन्न हुआ। छठ महापर्व को लेकर इफको में विशेष प्रबंध किये गये थे।

टाउनशिप परिसर में बने तालाब पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पवित्रता और अनुशासन के साथ तालाब में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। छठी मइया और भगवान सूर्य को समर्पित इस पूजा में व्रती महिलाओं ने परंपरागत वेशभूषा धारण कर कच्चे दूध, ठेकुआ, नारियल और विभिन्न फलों से सूर्यदेव को भोग अर्पित किया।

छठ पूजा में उगते सूर्य (ऊषा अर्घ्य) को अर्घ्य देने का महत्व यह है कि यह व्रत का समापन होता है और जीवन की नई शुरुआत और सफलता का प्रतीक है। इसके अलावा, यह अच्छी सेहत, यश और समृद्धि प्रदान करता है। यह व्रत सूर्य की पहली किरणों में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा है, जो सभी मनोरथों की पूर्ति करती है।

इफ्को टाउनशिप, घियानगर में छठ पूजा के इस अनोखे और पारंपरिक आयोजन ने सभी श्रद्धालुओं को एकजुट किया और आपसी सामंजस्य और भक्ति का संदेश दिया।

इस अवसर पर संयुक्त महाप्रबंधक अरूण कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव, सी.बी. सिंह, कपिल देव, सुनील कुमार यादव, वी.के. वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, रामकांत सिंह, सी. एस. सेंगर तथा जयशंकर यादव शामिल रहे।

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल आज रबूपुरा जायेगा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के कस्बा रबूपुरा में दबंगों द्वारा दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का संज्ञान लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के द्वारा कल एक प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल रबूपुरा भेजा जायेगा। इस बाबत जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय लखनऊ से नोटिफिकेशन व दिशा निर्देश दिए गए हैं।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने बताया कि कल प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना देंगे तथा प्रशासन के उच्चाधिकारियों से मिलकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के क्रम में हुई प्रगति पर बात करेंगे और प्रशासन से जल्द न्याय की माँग करेंगे। इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेंगे।

भाई व भतीजे ने हड़पी पैतृक संपत्ति

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ रही जमीनों की कीमत खून के रिश्तो में भी दरार डाल रही हैं। आए दिन परिजनों द्वारा जमीन हड़पने सहित अन्य मामले प्रकाश में आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम नगला भटोना में सामने आया है। गांव के एक व्यक्ति ने अपने भाई व भतीजे के खिलाफ पैतृक संपत्ति को हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम नगला भटोना निवासी सुदेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव में उनकी दादालाई रिहायशी संपत्ति पर उसका तथा उसके भाई विजेंद्र सिंह का बराबर का हिस्सा है। नौकरी के सिलसिले में वह बाहर रहता है और छुट्टियों में ही अपने गांव आता जाता है। सुदेश कुमार के मुताबिक उसके बड़े भाई विजेंद्र सिंह तथा भतीजे बृजेश अनूप विनोद ने उनकी पैत्रक संपत्ति पर जबरन कब्जा कर लिया। उसने जब इस बारे में अपने भाई से बात किया तो उसने उसे हिस्सा देने से साफ इंकार कर दिया। इस मामले में सिविल कोर्ट द्वारा यथा स्थिति का स्थगन आदेश दिया गया है इसके बावजूद भी उसके भाई तथा भतीजे उक्त भूमि पर टीन शेड डालकर आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। उसने जब मौके पर पहुंचकर इस बात का विरोध किया तो उसके भाई व भतीजे ने उसके साथ गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

झूठे मुकदमे में फंसाने की दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी के खिलाफ दो लाख रुपए ना देने पर छेड़खानी व बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम कोट निवासी प्रवीण कुमार उर्फ बाबू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अक्टूबर की शाम को उसके बेटे सोमेंद्र परिवार के सदस्य मोहित, पवन का पड़ोस में रहने वाले चांद मोहम्मद पुत्र शेर सिंह से झगड़ा हो गया था। इस मामले में पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग में कार्रवाई की थी। प्रवीण के मुताबिक झगड़े के दो दिन बाद रेशमा व उसके पति चांद मोहम्मद उर्फ पिंटू उसके घर आए और कहा कि यदि उन्हें दो लाख रुपए नहीं दिए गए तो वह सभी को छेड़खानी या बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसा देंगे। जिस समय पति पत्नी ने उन्हें धमकी दी उसे समय कई लोग मौके पर मौजूद थे। पीडति के मुताबिक पति-पत्नी उन पर 200000 देने का दबाव बना रहे हैं पैसे ना देने पर वह उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर मानसिक रूप से उत्पीड़ित कर रहे हैं।

कस्टोडियन जमीन पर अवैध निर्माण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कासना गांव में कस्टोडियन जमीन पर अवैध निर्माण करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ थाना कासना में मुकदमा दर्ज कराया गया है । यह मुकदमा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल 8 के सहायक प्रबंधक ने दर्ज कराया है।

वर्क सर्किल- 8 के सहायक प्रबंधक सतीश चंद्र शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम कासना के खसरा संख्या 1330 क्षेत्रफल 0.0510 राजस्व अभिलेखों में कस्टोडियन के नाम दर्ज है। 29 सितंबर 2025 को ग्राम दादूपुर निवासी ललित पुत्र सुंदर मुकेश नगर पुत्र सिद्धराज ने शिकायत की थी कि कस्टोडियन की भूमि पर रविंद्र ठाकुर व जितेंद्र चौहान द्वारा दुकानों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर प्राधिकरण की मौके पर पहुंची यहां पर रविंद्र ठाकुर की मौजूदगी में दुकानों का निर्माण कार्य कराया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर निर्माण कार्य को रुकवा दिया और भविष्य में निर्माण कार्य किए जाने पर कार्यवाही की चेतावनी दी। सहायक प्रबंधक के मुताबिक कुछ समय पश्चात अतिक्रमणकर्ता ने पुन: निर्माण कार्य शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर नोएडा प्राधिकरण के सुपरवाइजर मौके पर पहुंचे लेकिन निर्माण कार्य नहीं रोका गया। उन्होंने अतिक्रमण करने के आरोप में रविंद्र ठाकुर व जितेंद्र चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

आईआईटी रुड़की की टीम करेगी बांकेबिहारी मंदिर का सर्वे, कमेटी ने मांगा ठाकुरजी के चढ़ावे का ब्योरा

मथुरा/वृंदावन, एजेंसी। आईआईटी रुड़की की टीम ठाकुर श्री बांकेबिहारी मंदिर का सर्वेक्षण करेगी। 10 दिन में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेगी। साथ ही कमेटी द्वारा निर्धारित दर्शनों के समय पर भी सहमति बनी है। यह व्यवस्था तीन नवंबर से लागू होगी। मंदिर पर बनी हाई पावर्ड कमेटी ने बुधवार को अपनी सातवीं बैठक में मंदिर प्रबंधक से ठाकुरजी के चढ़ावे का ब्योरा मांगा है, ताकि उसे सुरक्षित किया जा सके।

वृंदावन के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में कमेटी अध्यक्ष एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस अशोक कुमार की अध्यक्षता में तीन घंटे चली बैठक में बांके बिहारी मन्दिर से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए।

इसमें परिसर के अन्दर रेलिंग लगाने, मन्दिर का तहखाना खुलवाने, मन्दिर की अवसंरचनात्मक दृढ़ता की प्रगति रिपोर्ट के अलावा मन्दिर प्रांगण में खाली स्थान पर अर्द्ध निर्मित स्थल (357 वर्ग गज) में अनियमितता की जांच के लिए गठित त्रिसदस्यीय समिति की प्रगति रिपोर्ट, मन्दिर में हलवाई तय करने, रोज होने वाले व्यय की भुगतान प्रक्रिया, वास्तुकार सदस्य की नियुक्ति, ठाकुर जी के सजीव दर्शन प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) के आवेदनों, मन्दिर के जमा खातों की धनराशि को एमओडी के अंतर्गत जमा करना एवं निजी बैंकों में जमा धनराशि को सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों में जमा करने की प्रगति रिपोर्ट तथा गोलक खोलने की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा शामिल है।

बेकार की बातें करने वालों से दूरी बनाएं : कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि कुछ ऐसे लोग हैं, जो बेकार की बातों पर ध्यान लगाते हैं। ऐसे लोगों से जरा दूरी बनाकर चलिए। ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखिए। आने वाले समय में जो बढ़िया से बढ़िया सेवा का अवसर आपको मिला है, उसका सदुपयोग करिए। कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर के सर्वेक्षण और निरीक्षण के लिए आईआईटी रुड़की का पत्र आ गया है। हमें 10 दिन में रिपोर्ट मिल जाएगी।

दर्शनों के समय पर बनी सहमति : कमेटी अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में गोस्वामी पक्ष से नियुक्त सदस्यों ने पुनः आश्वस्त किया है कि तीन नवंबर से कमेटी द्वारा निर्धारित समय के अनुसार दर्शन मिलेंगे। कहा कि हमारा फोकस भी दर्शनार्थियों को सुविधा देने पर है। गोस्वामी बंधु भी ये समझेंगे कि वास्तव में बिहारी जी की सेवा ही सबका उद्देश्य है। सेवा अगर समय से हो तो दर्शनार्थियों को अच्छे ढंग से दर्शन होंगे और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से क्रियान्वित होंगी।

कई एजेंसियों ने दिया डेमोस्ट्रेशन : बैठक में कुछ एजेंसियों ने भी अपने-अपने डेमोस्ट्रेशन दिए कि मंदिर के आसपास कैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। कमेटी अध्यक्ष ने बताया कि इनमें एक एजेंसी है, जो देश के बड़े-बड़े मंदिरों और कॉरिडोर पर काम कर रही है।

आज होगी बैंक अधिकारियों के साथ बैठक : कमेटी अध्यक्ष ने बताया कि ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में जो चढ़ावा आता है, जो कीमती सामान है वह बैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। उन पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी बैंकों के सीनियर अफसरों के साथ गुरुवार की शाम को बैठक होगी ताकि बैंकों की कार्यप्रणाली पर चर्चा की जाए। यह भी देखा जाएगा कि बैंक से मंदिर को कितना ब्याज मिल रहा है। करोड़ों रुपये जमा करने वाले बैंकों द्वारा मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए क्या सुविधाएं दी जा रही हैं। कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि इस पर पहले भी चर्चा हुई थी, लेकिन खेद का विषय है कि बैंकों ने दर्शनार्थियों के लिए सुविधाएं नहीं दीं। बैठक में बैंकों से पूछा जाएगा कि उन्होंने बांके बिहारी की सेवा में जो योगदान देना था, वह क्यों नहीं दिया।

ये रहे मौजूद : बैठक में कमेटी सदस्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) मुकेश मिश्रा, सदस्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश मथुरा विकास कुमार, सदस्य मुंसिफ/सिविल जज मथुरा शिप्रा दुबे, सदस्य सचिव/जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर चन्द्र प्रकाश सिंह, सदस्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, सदस्य नगर आयुक्त मथुरा-वृन्दावन नगर निगम जग प्रवेश, सदस्य उपाध्यक्ष मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण श्याम बहादुर सिंह, सदस्य गोस्वामी राजभोग समूह से शैलेन्द्र गोस्वामी, श्रीवर्धन गोस्वामी, सदस्य/गोस्वामी शयनभोग समूह से दिनेश कुमार गोस्वामी तथा विजय कृष्ण गोस्वामी (बब्बू) मौजूद रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी : कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि दर्शन करना तो अपनी श्रद्धा की बात है। मंदिर के प्रांगण और मंदिर के आसपास बढ़िया से बढ़िया स्वास्थ्य सुविधा होगी। सीएमओ को भी गुरुवार को बैठक में बुलाया गया है, जिस पर चर्चा होगी। वीआईपी दर्शनों के नाम पर पर्चियों के दुरुपयोग पर डेढ़ माह पूर्व कमेटी ने निर्णय लिया था। गोस्वामी सदस्यों ने कहा कि विशेष लोग उनसे संपर्क करते हैं, जिनके दर्शन की व्यवस्था हो। इस पर आश्वासन दिया, विचार किया।

बिना कार वाले से कोई नहीं करना चाहता शादी, तेजस्वी सूर्या को शिवकुमार ने क्यों दिया ऐसा जवाब

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से मुलाकात करके उनसे शहर में टनल रोड प्रोजेक्ट को रद्द करने की मांग इसके बजाए उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट पर इन्वेस्ट करने के लिए कहा। उनके इस तर्क पर डीके शिवकुमार ने कहा कि आज के समय में बिना कार वाले से कोई भी शादी नहीं करना चाहता है। उन्होंने कहा कि क्या मैं लोगों को अपनी गाड़ी ले जाने से रोक सकता हूं? यह सोशल जिममेदारी का मामला है। लोग अपने परिवार के साथ अपनी गाड़ियों में घूमना पसंद करते हैं।

'टाइम्स ऑफ इंडिया' के अनुसार, शिवकुमार ने कहा कि क्या हम उन्हें उनकी कारों के इस्तेमाल से रोक सकते हैं क्या? अगर जरूरत हो तो सांसद अपने वोटर्स से अपील कर सकते हैं कि वे कार का इस्तेमाल रोककर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा इस्तेमाल करें। देखते हैं कितने लोग इसका पालन करते हैं। आज लोग ऐसे लड़के से शादी करने में भी हिचकिचाते हैं, जिसके पास अपनी कार नहीं है। इस पर तेजस्वी सूर्या ने पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, इतने दिनों से मुझे गलतफहमी थी कि टनल प्रोजेक्ट का मकसद बेंगलुरु की ट्रैफिक प्रॉब्लम को सॉल्व करना है। अब, डीसीएम ने साफ किया है कि इसका मकसद एक सोशल प्रॉब्लम को सॉल्व करना है - कि लोग बिना कार वाले आदमी से शादी नहीं करना चाहते। मैं कितना बेवकूफ़ था।

मेट्रो से 69 हजार यात्री कर सकेंगे सफर : दरअसल, डीके शिवकुमार से मुलाकात के दौरान तेजस्वी सूर्या ने टनल रोड प्रोजेक्ट को सिर्फ कार वालों के लिए बनाया जा रहा प्रोजेक्ट बताया था। इसके बजाए उन्होंने मेट्रो जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में इन्वेस्ट करने का सुझाव दिया। बीजेपी सांसद का कहना है कि टनल के बनने से एक बार में प्रति घंटे सिर्फ 1800 कार ही जा सकेंगी, जबकि उसी लागत में मेट्रो लाइन बनती है, जिससे 69 हजार यात्री सफर कर सकेंगे। सूर्या ने इसी के साथ यातायात जाम की स्थिति से निपटने के लिए मेट्रो और उपनगरीय रेल नेटवर्क के विस्तार की वकालत की। सूर्या ने एक घंटे की मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''उपमुख्यमंत्री के साथ बैठक बहुत उपयोगी रही।

माँ के अंतिम संस्कार में गया परिवार, चोरों ने उड़ाया सामान

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर चोरी की दो घटनाओं को अंजाम दिया। चोर ढाई लाख रुपए की नगदी लाखों रुपए के गहने मोबाइल फोन में अन्य सामान चोरी कर ले गए।

जैतपुर वसपुर में रहने वाले राजेश शर्मा की माताजी का निधन 26 अक्टूबर को हो गया था। वह परिवार सहित अपनी मां के अंतिम संस्कार के लिए अपने पैतृक गांव आगरा गए थे। 28 अक्टूबर को उनके मौसेरे भाई लीलाधर उनके परिजनों को लेकर जैतपुर वेशपुर वाले मकान पर पहुंचे। यहां उन्हें रसोई के खिड़की टूटी हुई मिली। भीतर जाने पर घर का सारा सामान बिखरा हुआ तथा अलमारी के लॉक टूटे हुए मिले। चोरों ने अलमारी के अंदर रखें ज्वेलरी बॉक्स से ज्वेलरी निकालकर खाली बॉक्स को बेड पर डाल दिया था। उन्होंने इसकी जानकारी तुरंत राजेश शर्मा को दी। लीलाधर के मुताबिक चोर उनके मौसेरे भाई के घर से ढाई लाख रुपए की नगदी, लाखों रुपए के सोने चांदी के गहने, चांदी के लक्ष्मी गणेश व अन्य सामान को चोरी कर ले गए हैं। पीड़ित की शिकायत पर थाना सूरजपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना फेस 3 क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव में किराए पर रहने वाले गांगुली शाक्य ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 17 अक्टूबर को बरेली स्थित अपने घर गए थे जब वापस लौटे तो उनके कमरे का ताला टूटा हुआ था। चोर उनके कमरे से दो मोबाइल फोन3000 नगद चोरी कर ले गए थे।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी व सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के शहीदी दिवस एवं सरदार पटेल की जयंती पर कांग्रेस कमेटी नोएडा द्वारा पार्टी कार्यालय सैक्टर-52 में फूलमाला एवं पुष्प अर्पित कर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा दोनों महान नेताओं के जीवन पर चर्चा कर उनके दिखाई रस्ते पर चलने का आव्हान किया गया।

उपस्थित पदाधिकारियों में मुकेश यादव, पुरूषोतम नागर,चरण सिंह, लियाकत चौधरी, यतेन्द्र शर्मा , रामकुमार शर्मा, डॉ सीमा, विक्रम सेठी, सुल्तान बिधूड़ी, जगपाल चौहान, बीरो देवी, राहुल पांडेय, वसीम अरुण प्रधान, सतीश पंचाल एवं पंकज बाल्मीकि सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

झपटमार मोबाइल छीनकर फरार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाइक सवार झपटमारों ने अलग-अलग स्थानों पर झपटमारी की दो घटनाओं को अंजाम दिया है। झपटमार दो युवकों से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के तुगलपुर में रहने वाले अमन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 26 अक्टूबर की शाम को वह एनपीसीएल कैलाश हॉस्पिटल के पास से जा रहा था। पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उससे आई फोन छीन लिया और फरार हो गए। वहीं थाना दादरी में गुर्जर कॉलोनी निवासी अभिनव महापात्र ने अपना मोबाइल फोन छीने जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अभिनव महापात्र ने बताया कि 28 अक्टूबर की शाम को वह शिव नादर यूनिवर्सिटी के गेट नंबर-2 के पास ई-रिक्शा का इंतजार कर रहा था। इस दौरान बाइक पर आए दो बदमाश उसके हाथ से मोबाइल फोन झपटकर ले गए। बदमाशों की बाइक की गति तेज होने के कारण वह उनका नंबर भी नोट नहीं कर पाया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पृष्ठ एक के शेष....

इतिहास बनाने के....

गर्व का पल है। यहां एकता नगर में ही एकता मॉल, एकता गार्डन, एकता के सूत्र को सशक्त करते हुए दिखते हैं। देशभर में हो रही एकता दौड़ RunForUnity, कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह, हम नए भारत की संकल्प शक्ति को साक्षात महसूस कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि अभी यहां जो कार्यक्रम हुए, कल शाम जो अद्भुत प्रस्तुति हुई, उनमें भी अतीत की परंपरा थी, वर्तमान का श्रम और शौर्य था, और भविष्य की सिद्धि की झलक भी थी। सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है। सरदार साहब ने जो नीतियां बनाई, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रचा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि असली लौह पुरुष को याद करते हैं, जिन्होंने पत्थर, चाकू और विभिन्न साजिशों का सामना किया, लेकिन कभी भी भारत की एकता से समझौता नहीं किया। इतिहास में सच्चाई दर्ज होनी चाहिए न कि कांग्रेस का तोड़-मरोड़कर पेश किया गया पक्ष। 86 वर्षों तक इस सच को राजनीतिक फायदे के लिए छिपाकर रखा गया। इतिहासकार रिजवान कादरी इसे सबके सामने लाए। यह इस बात की याद दिलाता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल ने न सिर्फ अंग्रेजों से, बल्कि अंदरूनी धोखे से भी लड़ाई लड़ी थी।

भारत की एकता...

एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है कि 'शिवो भूत्वा शिवं यजेत', अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

19 सब स्टेशनों के...

में नोएडा क्षेत्र के क्रियाशील 8 नग वितरण खंड एवं 2 नग परीक्षण खंड के स्थान पर 3 नग 33 केवी के वितरण खंड, 3 नग 11 केवी के वितरण खंड, 1 नग कॉमर्शियल खंड, 1 नग बिलिंग खंड, 1 नग मीटर/एएमआईएसपी खंड, 1 नग स्काडा खंड, 1 नग एडमिन खंड, 1 नग रेड खंड में विभाजित कर क्रियान्वयन किया जाएगा।

नामी यूनिवर्सिटी ...

बेटी की उम्र 17 साल 10 माह है और वह नाबालिक है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी युवक व किशोरी की तलाश की जा रही है।

लौह पुरूष पटेल...

भाग लिया। सभी ने हाथ में तिरंगा झंडा लेकर दौड़ लगाई, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और राष्ट्रीय समरसता का प्रतीक बना। कार्यक्रम के समापन पर, सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हम आशा करते हैं कि इस माध्यम से राष्ट्र का एकीकरण के लिए और राष्ट्र की एकता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखने के लिए हमारी नौजवान पीढ़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभायगी।

दौड़ के लिए हुए कार्यक्रम में कवि कुमार विश्वास ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वीं जयंती मनाई जा रही है. जिनकी तपस्या, सूझबूझ, राष्ट्र के प्रति समर्पण से इस समय हमारे पास भारत का नक्शा मौजूद हैं, उसके एकत्रीकरण के लिए, काम आया था। उनके द्वारा तमाम रियासतों को राज्य वर्षों को सहमत करके एक साथ इकट्ठा करना और आज के भारत का स्वरूप देना, इसके लिए सरदार पटेल ने जो दिया उसे देश कभी भूल नहीं सकता तो उन्हीं के 150 वें जन्मदिन को जैसे स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए आज हम सब दौड़ रहे हैं और ये आशा करते हैं कि जिसे एकता के साथ कदम से कदम बढ़ रहे हैं। इसी एकता के साथ भारत अगली शताब्दी में और इस शताब्दी में विश्व का नेतृत्व करेगा। कार्यक्रम में क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार भी शामिल हुए।

दौड़ को सुचारू रूप से संपन्न कराने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए, नोएडा स्टेडियम के आस-पास के कई प्रमुख मार्गों पर सुबह 7 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक यातायात का डायवर्जन किया गया था।

पटेल ने ही रखी थी...

डिंपल आनंद, महेश अवाना, भाजयुमो अध्यक्ष रामनिवास यादव, विनोद शर्मा, संजय बाली, भूपेश चौधरी, दीनबंधु कुशवाहा, शशिधर उपाध्याय, नीरज चौधरी, राम किशन यादव, प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, सतनारायन महावर, गिरीश कोटनाला, ओमवीर अवाना, चमन अवाना, अर्पित गोयल, धर्मेंद्र गुप्ता, सचिन अंबावत, प्रज्ञा पाठक शर्मा, राजेंद्र अवाना, शारदा चतुर्वेदी, अर्पित मिश्रा, नीरज शर्मा, राहुल शर्मा, अशोक मिश्रा, एनपी सिंह, राजकुमार बंसल,बबलू यादव, गोपाल गौड, ओम यादव, रवि यादव, अमित कुमार त्यागी, राजीव उपाध्याय, एहसान खान, कुलदीप त्यागी, ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसों में...

उन्हें जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। जांच में चिकित्सकों ने उसकी पत्नी प्रिया को मृत घोषित कर दिया।

वहीं थाना दादरी में हरियाणा के रहने वाली सरोज शर्मा ने पिकअप गाड़ी के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सरोज शर्मा ने बताया कि वह अपने पति धर्मवीर के साथ 27 अक्टूबर की सुबह सिरसा से दादरी टोल की तरफ आ रही थी। इस दौरान पीछे से तेज गति में आ रही पिकअप गाड़ी के चालक ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में उनके पति धर्मवीर को गंभीर चोटें आई। उपचार के लिए उन्हें पास के ही यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनके पति की अस्पताल में मौत हो गई। सरोज शर्मा ने पिकअप गाड़ी के चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबरों के आधार पर चालकों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्व आईएएस की...

अकेली रह रही हैं। वर्ष 2019 में उनके भाई रिटायर्ड आईएएस देशराज सिंह का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया।

दमयंती सिंह के मुताबिक उनका नोएडा के सेंट्रल बैंक में एक जॉइंट खाता था। उन्होंने अपने भतीजे समरेंद्र राज सिंह से अपने बचत खाते की जानकारी कराई तो पता चला कि 28 मई 2019 को उनके खाते से 25000 रूपये ट्रांसफर किए गए हैं। जानकारी करने पर पता चला कि जिस खाते में पैसे ट्रांसफर हुए हैं वह खाता अलका सिंह के नाम है। कुमारी दमयंती के मुताबिक उनके भाई की मृत्यु 2019 को हो चुकी थी। ऐसे में चेक चोरी कर उस पर जाली हस्ताक्षर कर उनके खाते से रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इसके अलावा उनके खाते से 30 मई को 4800 भी निकल गए हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि यह धोखाधड़ी अलका तथा उसकी दो पुत्री मेघा व राधिका ने मिलकर की है। उन्होंने चेक चोरी कर जाली हस्ताक्षर के जरिए पैसे निकाले हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

एक करोड़ नौकरी...

हर जिले में मेगा स्किल सेंटर स्थापित करके बिहार को ग्लोबल स्किलिंग सेंटर के रूप में स्थापित किया जाएगा

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी।

1 करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया जाएगा।

'महिला मिशन करोड़पति' के माध्यम से चिह्नित महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

अति पिछड़ा वर्ग के विभिन्न व्यावसायिक समूहों को 10 लाख की सहायता दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जो अति पिछड़ा वर्ग की विभिन्न जातियों के सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आंकलन करके उनके सशक्तीकरण के लिए न्यायोचित कदम उठाने हेतु सरकार को सुझाव देगी।

कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि की शुरुआत करके किसानों को प्रति वर्ष 3,000, कुल 9,000 का लाभ दिया जाएगा।

एग्री-इंफ्रास्ट्रक्चर में 1 लाख करोड़ का निवेश किया जाएगा।

पंचायत स्तर पर सभी प्रमुख फसलों (धान, गेहूं, दलहन, मक्का) की एमएसपी पर खरीद की जाएगी।

झमत्स्य-दुग्ध मिशन' योजना सेप्रत्येक मत्स्य पालक को कुल 9,00050 (पचास) का लाभ दिया जाएगा।

'बिहार दुग्ध मिशन' की शुरुआत करके हर प्रखंड स्तर पर चिलिंग व प्रोसेसिंग सेंटर्सस्थापित किए जाएंगे।

5 मेगा फूड पार्क स्थापित किए जाएंगे और कृषि निर्यात दोगुना किया जाएगा।

2030 तक दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जाएगी।

7 एक्सप्रेसवे बनाए जाएंगे।

3600 कि.मी. रेल ट्रैक का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

अमृत भारत एक्सप्रेस एवं नमो रैपिड रेल सेवा का विस्तार किया जाएगा।

4 नए शहरों में मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी।

'न्यूपटना' में ग्रीनफील्ड शहर और प्रमुख शहरों में सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएगी।

मां जानकी की जन्मस्थली को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी %सीतापुरम% के रूप में विकसित किया जाएगा।

पटना के समीप ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट तथा दरभंगा, पूर्णिया एवं भागलपुर में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे।

10 नए शहरों से घरेलू उड़ानें शुरू की जाएंगी।

विकसित बिहार औद्योगिक मिशन के अंतर्गत 1 लाख करोड़ के निवेश से औद्योगिक क्रांति लाई जाएगी।

विकसित बिहार इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट मास्टर प्लान बनाया जाएगा।

प्रत्येक जिले में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और 10 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे।

न्यू-ऐज इकोनॉमी के तहत 50 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित किया जाएगा।

मुफ्त राशन

125 यूनिट मुफ्त बिजली

5 लाख तक मुफ्त इलाज

50 लाख नए पक्के मकान

सूर्यकुमार की फॉर्म से टीम इंडिया के हौसले बुलंद, मेलबर्न में होगा आज दूसरा टी20

मेलबर्न (एजेंसी)। कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एमसीजी में होने वाले दूसरे टी20 के लिए जोश से लबरेज है। पहले मैच में सूर्या ने 24 गेंदों पर 39 रन बनाकर आत्मविश्वास की वापसी की झलक दिखाई थी। उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर लंबा छक्का जड़कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

बारिश से बिगड़ी लय, लेकिन सूर्या ने जगाई उम्मीद- पहला टी20 कैनबरा में बारिश की वजह से रद्द हो गया था, लेकिन तब तक भारत ने 9.4 ओवर में 97/1 रन बना लिए थे। शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी शानदार लय में नजर आई। अब नजरें मेलबर्न पर हैं, जहां शुक्रवार को भी बारिश की संभावना है।

गंभीर का प्लान- बेखौफ क्रिकेट- टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर चाहते हैं कि खिलाड़ी बेखौफ क्रिकेट खेलें और नियमित तौर पर 250-260 रन के पार स्कोर करें। सूर्यकुमार की फॉर्म इस रणनीति में अहम भूमिका निभाएगी।

गेंदबाजी में मजबूती, हेड-मार्श पर नजरें- जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती की मौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी बेहद संतुलित दिख रही है। टीम का मुख्य ध्यान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड जैसे ऑस्ट्रेलियाई पावर हिटर्स को रोकने पर होगा।

टी20 विश्व कप पर नजर- भारत का लक्ष्य है श्रीलंका के साथ सह-मेजबानी वाले आगामी टी20 विश्व कप 2026 में खिताब बरकरार रखना। पिछली बार टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया था।

भारतीय पहलवानों ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में किया शानदार प्रदर्शन, जीते सात मेडल

मनामा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती दल ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में मेडलों की झड़ी लगाकर अभियान का शानदार समापन किया, जिसमें मोनी और जयवीर सिंह ने मनामा के एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन में गोल्ड मेडल जीते। लड़कों के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला कर रहे जयवीर सिंह ने कल टॉप पर पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के निमेश दुलंजना और कंबोडिया के फान चान ओउ डोम पर 10-0 की शानदार जीत दर्ज करने के बाद जयवीर ने एक कड़े क्वार्टर फाइनल में ईरान के यासीन ज़ारेज़ादेह को क्राइटेरिया के आधार पर हराया।

सेमीफाइनल में जयवीर सिंह ने कजाकिस्तान के इब्राहिम यस्ककबेक को 5-0 से हराया और गोल्ड मेडल मुकाबले में जापान के यामातो फुरुसावा के खिलाफ 6-2 की जीत के साथ अपना अभियान खत्म किया। मोनी ने भी लड़कियों की फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम कैटेगरी में उतना ही शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने सेमीफाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की जियाओहान जू को 8-0 से हराया और फाइनल में किर्गिस्तान की सेजिम कुर्मनबेकोवना ज़ोल्डोशबेकोवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 10-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

गौरव पुनिया ने लड़कों की 65 किलोग्राम कैटेगरी में प्रभावित किया लेकिन फाइनल में हार गए, उन्हें ईरान के मोर्तेजा हाजी मोह्लामोहम्मदी से 4-1 से हार मिली, जो अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। लड़कियों की 69 किलोग्राम कैटेगरी में अश्विनी विश्नोई, जो अपनी सामान्य 65 किलोग्राम डिवीजन से ऊपर मुकाबला कर रही थीं, फाइनल में चीन की झाओ मिन से 10-3 से हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

हॉकी चंडीगढ़ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया : करन गिल्होत्रा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ द्वारा आगामी 7 नवंबर को भव्य भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करन गिल्होत्रा, उपाध्यक्ष अनिल वोहरा और एडवाइजर शालीन कपूर ने श्री कटारिया

से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने इस आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि चंडीगढ़ इस अवसर पर हॉकी के इतिहास में एक नई पहचान बनाएगा।

करन गिल्होत्रा ने बताया कि समारोह के आयोजन में चंडीगढ़ प्रशासन, स्पोर्ट्स विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, हॉकी भारत की गौरवशाली धरोहर है। 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संस्था के गठन से शुरू हुई यह यात्रा आज 100 वर्ष पूरे कर रही है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनेगा। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को हॉकी के स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना है।

अनिल वोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें तीन प्रदर्शनी मैच खेले जाएंगे, लड़कों के जूनियर और सीनियर वर्गों के मुकाबले तथा लड़कियों का एक विशेष मैच शामिल होगा। इस मौके पर देश-विदेश से हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे।

कनाडियन स्क्वैश ओपन के फाइनल में हारी अनाहत सिंह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार प्रदर्शन कनाडियन स्क्वैश ओपन 2025 के सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की शीर्ष खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया. यह मुकाबला मात्र 30 मिनट चला, जिसमें कैनेडी ने अनुभव और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इससे पहले अनाहत ने टूर्नामेंट में दो बड़े उलटफेर करते हुए सभी को चौंका दिया था. उन्होंने विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को पराजित कर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

मैच के बाद जीना कैनेडी ने अनाहत की तारीफ करते हुए कहा कि अनाहत ने इस टूर्नामेंट में बेहद

शानदार खेल दिखाया. उनके शॉट्स की दिशा बदलने की तकनीक और खेलने का आत्मविश्वास काबिले तारीफ है. शायद लगातार मैच खेलने से वह थोड़ी थक गई थीं, लेकिन उनका टैलेंट असाधारण है।

अब फाइनल में जीना कैनेडी का सामना मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को मात दी. कैनेडी ने कहा कि अमीना बेहतरीन फॉर्म में हैं. हमारा आमना-सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है और मैं उनके खिलाफ खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं।

हालांकि अनाहत सिंह खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं, लेकिन कनाडियन ओपन में उनका प्रदर्शन भारतीय स्क्वैश के भविष्य की बड़ी उम्मीदें जगाता है. उनकी उम्र को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में अनाहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए कई बड़ी सफलताएं हासिल कर सकती हैं।

यह बहुत खास जीत है, हम सब उत्साहित हैं

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के बाद बोलीं वोल्वार्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान और अपनी शतकीय पारी से प्लेयर ऑफ द मैच बनी लौरा वोल्वार्ट ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला विश्व कप सेमीफाइनल में बुधवार को जीत हासिल करने के बाद इस जीत को बेहद ख़ास करार दिया और कहा कि इससे पूरी टीम उत्साहित हो गयी है। वोल्वार्ट ने जीत के बाद कहा, 'यह बहुत खास है। हर कोई बहुत उत्साहित है। हम इसी टीम के ख़िलाफ पिछले दो सेमीफ़ाइनल में हार का सामना कर चुके हैं, जो वाकई बहुत दुखद है, इसलिए आज रात जीत हासिल करना हमारे ग्रुप के लिए बहुत मायने रखता है। मुझे हमारे खेलने के तरीके पर बहुत गर्व है।

यह पूछने पर कि ग्रुप मैच में क्या 69 रनों पर ऑल-आउट होने की यादें ताज़ा हो गईं?, वोल्वार्ट ने कहा, 'थोड़ी बहुत जरूर हुईं। मुझे लगता है कि वही विरोधी टीम, वही मैदान, आपका दिमाग अपने आप ही उस मैच की यादों में खो जाता है। लेकिन सच कहूं तो, आज रात टॉस हारना दुनिया की सबसे बुरी बात नहीं थी। हमें बस यही लगा कि सेमीफ़ाइनल में रन बनाना ही सबसे अहम होगा। मुझे यकीन नहीं था कि 320 रन का स्कोर काफी होगा - पिच अंत में काफ़ी सपाट लग रही थी - लेकिन हमारे गेंदबाज़ों ने जिस तरह से

अच्छा प्रदर्शन किया, उसके लिए उन्हें श्रेय जाता है। यह अद्भुत था।

उन्होंने कहा, 'यह वाकई साझेदारियों का खेल था। टैज और मैंने अच्छी शुरुआत की, फिर जब हमने कुछ विकेट जल्दी गंवा दिए, तो कप्पी आयीं और उन्होंने मुझ पर से सारा दबाव हटा दिया। मैं थोड़ी गिरावट से गुजरी, लेकिन वो बस खेलती रही। यह जानते हुए कि हमारे पास अभी भी पावर हिटर मौजूद हैं, मैंने सोचा - अब स्विंग करने का समय है। आउट होने या बाउंड्री लगाने का। शुक्र है, वो कामयाब रहा। नहीं।

वोल्वार्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनका स्कोर 0-2 और 1-3 या कुछ ऐसा था। मुझे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। (मुस्कुराते हुए) कप्पी अद्भुत थी - सेमीफाइनल में 5 विकेट लेना कुछ खास होता है। तब भी, हमें पता था कि उनके पास अच्छे बल्लेबाज हैं, इसलिए हम निश्चिंत नहीं रह सकते थे। मुझे लगता है कि जब तक नैट मैदान पर थी, ऐसा लग रहा था कि मैच किसी भी तरफ जा सकता है। लेकिन एक बार जब शुरुआती गति आ गई, तो हम बस ज़ोर लगाते रहे। (कप्पी के बारे में) बहुत खास।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पूरे टूर्नामेंट में, वो गेंद से अपनी लय हासिल करती रही है। वो पूरे टूर्नामेंट में अपनी फॉर्म में बनी रही है, और आज रात सब कुछ ठीक हो गया। उसने जो पहला विकेट लिया - वो एकदम सही गेंद थी। और बल्ले से, वो वाकई एक भरोसेमंद खिलाड़ी है। वह सच में एक टू-इन-वन खिलाड़ी है, और टीम में उसका अनुभव होना अनमोल है। यह अविश्वसनीय है।

उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसी टीम हैं जिसने इसके लिए बहुत मेहनत की है। खासकर इस प्रारूप में - जहां आप सभी के साथ खेलते हैं - यह एक बहुत ही निष्पक्ष परीक्षा जैसा लगता है।

ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान में उतरी भारत ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी

मुंबई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ियों ने गुरुवार को महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के दौरान युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्लैक आर्मबैंड पहने। ऑस्टिन की ट्रेनिंग के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई थी। ऑस्टिन की उम्र 17 साल थी और मंगलवार को मेलबर्न के बाहरी इलाके में फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब में बैटिंग करते समय गर्दन पर गेंद लग गई थी।

विमेंस वर्ल्डकप सेमीफाइनल-2025

आस्ट्रेलिया के अच्छी थी शुरुआत, लिचफील्ड ने शतक बनाया, क्रांति गौड़ ने हीली को बोल्ड किया

मुंबई (एजेंसी)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डीबाय पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया था।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 24 ओवर में एक विकेट पर 157 रन ठोंक दिए थे। फीबी लिचफील्ड और एलिस पेरी क्रके बीच शतकीय साझेदारी हुई। फीबी लिचफील्ड ने टूर्नामेंट में दूसरा शतक बनाया है। एलिसा हीली 5 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें क्रांति गौड़ ने बोल्ड कर दिया। तीसरे ओवर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर से हीली का कैच ड्रॉप हुआ था।

फीबी लिचफील्ड का तीसरा शतक- 24वें ओवर की पहली बॉल पर फीबी लिचफील्ड ने शतक पूरा किया। उन्होंने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक बनाया है। लिचफील्ड ने श्री चरणी के ओवर की बॉल पर चौका मारा और शतक पूरा किया। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में पहला शतक पूरा किया है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, जेमिमा रॉड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, क्रांति गौड़, श्री चरणी, रेणुका सिंह ठाकुर।

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), फीबी लिचफील्ड, एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, एश्ले गार्डनर, ताहलिया, किम गर्थ, सोफी मोलिनिक्स, अलाना किंग और मेगन शट।

जानिक सिनर ने जिजू बर्ग्स को हराया, पेरिस मास्टर्स के अगले दौर में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर ने बेल्जियम के जिजू बर्ग्स को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली हैं। इटली के दिग्गज सिनर ने बुधवार को पहले दौर के मुकाबले में बेल्जियम के जिजू बर्ग्स के खिलाफ 6-4, 6-2 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की।

सिनर की जीत पुरुषों के विश्व के नंबर वन कार्लोस अल्काराज के ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (नंबर 31) से चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई। उनकी हार ने इटैलियन खिलाड़ी के लिए नंबर वन पोजीशन फिर से हासिल करने का रास्ता खोल दिया है, अगर वह पेरिस में जीत पाते हैं।

मैच के बाद सिनर ने कहा, यह यहां एक बहुत ही अनोखा कोट है। आमतौर पर मुझे हमेशा थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए मैं पहला मैच जीतकर बहुत खुश हूं। आज मैंने जिस तरह से सर्व किया, उससे मैं

बहुत खुश हूं। मैं बहुत सटीक था। मैंने सीधे ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मेरे आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। मैं आज के प्रदर्शन से खुश हूं। देखते हैं कल क्या होता है। टूर्नामेंट के अगले दौर में सिनर का मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा।

अर्शदीप सिंह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 में भी बाहर बैठना पड़ सकता है: पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी-20 में भी प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ सकता है। पहले मैच में उन्हें मौका नहीं मिला था, और पटेल का मानना है कि टीम प्रबंधन की मौजूदा रणनीति और संतुलन को देखते हुए, मेलबर्न में होने वाले दूसरे मुकाबले में भी उनकी वापसी मुश्किल लगती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अर्शदीप की काबिलियत और संभावनाओं को देखते हुए, टीम भविष्य में उन्हें वापसी का मौका जरूर देगी।

टीम कॉम्बिनेशन और चयन रणनीति- पहले टी-20 में भारतीय टीम ने जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और शिवम दुबे के साथ गेंदबाजी आक्रमण को चुना था। अर्शदीप, जिन्होंने वनडे सीरीज में हिस्सा लिया और शुरुआती दो मैचों में तीन विकेट झटके थे, को आराम दिया गया।

पार्थिव पटेल का कहना है कि टीम मैनेजमेंट फिलहाल दो रिस्ट स्पिनर्स को शामिल करने और निचले क्रम में बल्लेबाजी गहराई बनाए रखने पर जोर दे रही है।

उन्होंने कहा, टीम का फोकस अब बैलेंस पर है, जहां गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में रन बनाने की क्षमता रखने वाले खिलाड़ी शामिल किए जाएं। हर्षित राणा जैसे खिलाड़ी इस भूमिका को अच्छे से निभा रहे हैं, इसलिए अर्शदीप को अभी इंतज़ार करना पड़ सकता है।

अर्शदीप की स्थिति और संभावनाएं- 26 वर्षीय पंजाब के तेज गेंदबाज़ ने पिछले कुछ महीनों में भारत के लिए कई अहम मैच खेले हैं और डेथ ओवर्स में उनकी यॉर्कर डिलीवरी टीम की खास ताकत रही है। फिर भी, ह्याल के प्रदर्शन और परिस्थितियों के कारण उन्हें फिलहाल रोटेशन स्ट्रेटेजी के तहत टीम से बाहर रखा गया है। पटेल ने कहा, टीम थिंक टैंक निश्चित रूप से अर्शदीप को आने वाले मैचों में फिट करने का तरीका खोजेगा। लेकिन फिलहाल, मेलबर्न में दूसरे टी-20 के लिए उनका चयन मुश्किल दिखता है।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत- पार्थिव पटेल ने पहले मैच में भारत के प्रदर्शन को लेकर कई सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग साझेदारी टीम के लिए उत्साहजनक रही। हालांकि अभिषेक जल्दी आउट हो गए, लेकिन उनका आक्रामक रवैया और आत्मविश्वास ऑस्ट्रेलिया में उनके पहले दौरे पर भी नजर आया। पटेल ने बताया, अभिषेक का नेचुरल गेम खेलना और शुरुआती ओवरों में अटैक करना दिखाता है कि वे घबराए नहीं, बल्कि टीम की रणनीति पर भरोसा रख रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव का फॉर्म में लौटना

कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी को पार्थिव ने भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ा पॉजिटिव बताया। उन्होंने कहा कि सूर्या के पारंपरिक फ्लिक्स, स्कूप्स और बैक-फुट शॉट्स देखने से साफ है कि वे अपने पुराने फॉर्म में लौट रहे हैं। पटेल ने कहा, बारिश से प्रभावित छोटे मैच में भी सूर्या और शुभमन का स्ट्राइक-रेट शानदार रहा। यह दिखाता है कि दोनों बल्लेबाज़ किसी भी परिस्थिति में टीम को तेज़ शुरुआत देने की क्षमता रखते हैं।

मेलबर्न मुकाबले की उम्मीदें

भारत के लिए दूसरा टी-20 मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर और भी चुनौतीपूर्ण होगा, जहां बाउंस और स्विंग अहम भूमिका निभा सकते हैं। पार्थिव का मानना है कि भारत को वही टीम संयोजन बनाए रखना चाहिए जो पहले मैच में कारगर साबित हुआ था। उन्होंने कहा, पहले मैच में टीम ने सही बैलेंस दिखाया था। अगर वही कॉम्बिनेशन जारी रहा तो टीम जीत की लय बनाए रख सकती है।

जानवरों की दुनिया में भी हैं अच्छे पापा

बच्चों, जैसे तुम्हारे पापा तुम्हारा ध्यान रखते हैं, जरूरतों को पूरा करते हैं और एक कामयाब इंसान बनने में मदद करते हैं, उसी तरह जीव-जंतुओं की दुनिया में भी अच्छे पापा होते हैं, जो बच्चों के सिर्फ रखवाले ही नहीं होते, बल्कि उन्हें जीने के गुर भी सिखाते हैं।

विशाल वॉटर बग

कैलिफोर्निया में पाए जाने वाले वॉटर बग भी एक आदर्श पिता हैं। मां वॉटर बग नर की पीठ पर करीब 150 अंडे देती है। इन अंडों को वह एक प्रकार की गोंद से चिपका देती है, जिससे वे पीठ पर सुरक्षित रहते हैं। पिता वॉटर बग तीन सप्ताह तक अंडों को सहेज कर रखते हैं। गोंद उतरने के डर से इस दौरान वह पानी में भी कम जाते हैं। पानी के बाहर सूरज की गर्मी में उन्हें सेंकते रहते हैं। अंडों का आकार बढ़ने पर भी वह अपनी पीठ से नहीं गिराते। अंडों में से बच्चे निकलने के बाद ही पिता वॉटर बग उन्हें लेकर पानी में जाते हैं। तब भी उनकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। वह उन्हें फीड कराने के साथ जिंदा रहने के तरीके भी सिखाते हैं।

कैटफिश

ये मैक्सिको और दक्षिणी फ्लोरिडा की उत्तरी खाड़ी में शीतोष्ण तटों और समुद्री खारे पानी में रहते हैं। पिता कैटफिश तट के पास दरारों में घोंसला बनाते हैं। मां सिर्फ अंडे देती है, उसके बाद पिता अंडों को सेते हैं और पानी बहाव से बचाने के लिए वे उन्हें अपने मुंह में रख लेते हैं। अंडे पिता कैटफिश के मुंह में ही विकसित होते हैं। इन्हें वे कई हफ्तों तक मुंह में रखते हैं, जब तक उनमें से बच्चे न निकल जाएं। अंडों को कोई नुकसान न पहुंचे, इस डर से वे इस दौरान खाना भी नहीं खाते। इससे उनका वजन काफी कम हो जाता है।

नामाकुआ सैंड ग्रूस

दक्षिण अफ्रीका के कालाहारी रेगिस्तान में पाए जाते हैं ये, जहां बहुत गर्मी होती है और पानी मिलना कठिन होता है। अपने बच्चों को पानी पिलाने के लिए पिता नामाकुआ रोजाना 50 मील का सफर तय करता है। उसके पंख स्पोंज का काम करते हैं। वह अपने पंखों में अपने वजन से ज्यादा करीब 40 मिलीलीटर तक पानी सोख सकता है। सोचो, भारी हुए शरीर से ग्रूस का उड़ान भरना कितना मुश्किल होता होगा। वह तो मीलों दूर उड़ कर वापस लौटता है और अपने बच्चों को पानी पिलाता है। बच्चे उसके पंखों से सीधे पानी पी सकते हैं।

एंपरर पेंगुइन

ये -40 डिग्री फारेनहाइट तापमान वाले अंटार्कटिक महासागर में रहते हैं। ये अकसर समूह में रहते हैं। मां एंपरर पेंगुइन सर्दियों में चार महीने की गर्भावस्था के दौरान समुद्र से करीब 74 मील का सफर तय कर बर्फीले तट पर आती है। सुरक्षित नेस्टिंग साइट ढूंढकर अंडा देती है, जिसे वह पिता की देखरेख में छोड़ कर वापस महासागर में भोजन की तलाश में चली जाती है।

अंडे सेने की जिम्मेदारी पिता पेंगुइन की होती है। वह यह काम समूह में एक-दूसरे से सट कर करते हैं, जिससे एक तो बर्फीली हवाओं से उनका बचाव हो जाता है और दूसरे शिकारी से बचाव भी हो जाता है। वे खड़े-खड़े अंडे को अपने पैरों के बीच ऊपर रख कर पंख के फ्लैप से करीब 60 दिन तक सेते हैं। इस बीच वे न तो ठीक से सो पाते हैं और न ही कुछ खा पाते हैं। इससे उनका करीब 25 पौंड वजन कम हो जाता है। अंडे से बाहर आने के बाद भी पिता पेंगुइन अपने बच्चे को मां के आने तक फीड कराते हैं। वे उसे अपने गले की घेंघा ग्रंथियों से निकलने वाले प्रोटीनयुक्त दूधनुमा विशेष लिक्विड खिलाते हैं। बच्चा, मां को सौंपने के बाद ही वे भोजन के लिए जा पाते हैं।

भेड़िया

भेड़िया इंसानों की तरह जीवन जीते हैं। मांद में मां वुल्फ जब बच्चे को जन्म देती है, तो वह अपने बच्चों के साथ मांद में ही रहती है। पिता वुल्फ, मां और अपने बच्चों के लिए गार्ड का काम करता है। वह मांद के बाहर खड़ा रहता है और मादा के लिए खाना लाता है। जब बच्चे थोड़ा बड़े हो जाते हैं तो पिता उनके साथ खेलते हैं और शिकार करना सिखाते हैं।

सी हॉर्स

सी हॉर्स एक प्रकार की मछली है। नर सी हॉर्स दुनिया भर में पाए जाने वाले जानवरों में एक ऐसा जीव है, जो एक गर्भवती महिला का रोल अदा करता है। अंडों से बच्चे करीब दो महीने बाद निकलते हैं। यही नहीं, बेबी सी-हॉर्स के वयस्क होने तक पिता ही उन्हें पालते हैं और जीवन जीने के लिए दांव-पेंच सिखाते हैं।

ग्रेटर हॉर्नबिल

इंडोनेशिया में पाए जाने वाले हॉर्नबिल खोखले पेडम् की कोटर में घोंसला बनाते हैं। इसमें मां हार्नबिल अंडे देती है। अंडे की रक्षा के लिए वह उसे कीचड़ और मल से घोंसले में बंद कर लेती है। खुद वहां रह कर अंडे सेती है। पिता हॉर्नबिल घोंसले के बाहर गार्ड की तरह तैनात रहता है और मादा के खाने का इंतजाम करता है। वह पेड़ की कोटर में बने घोंसले में छोटा-सा छेद कर चोंच से खाना खिलाता है। बच्चे निकलने पर पिता का काम और बढ़ जाता है। वह 4-5 महीने तक बच्चों और मादा के लिए लगातार खाना लाता है। कई बार तो उसे दिन में 6-7 बार खाना लाना पड़ता है। बच्चों के बड़े होने पर घोंसला तोड़ कर बच्चों को बाहर निकालते हैं।

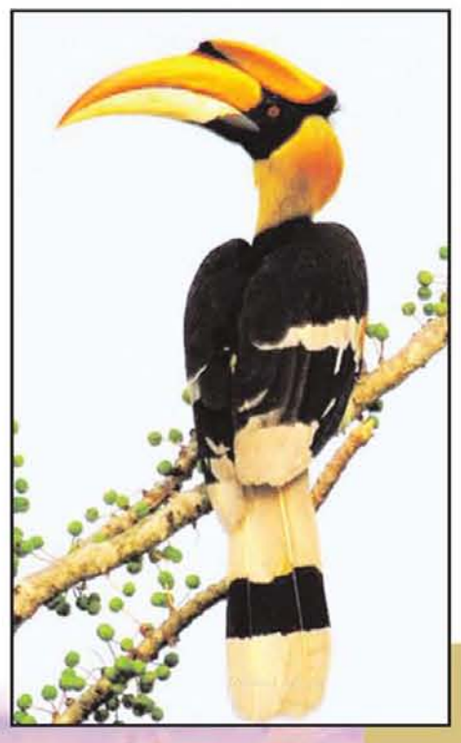

विशाल डार्विन मेंढ़क

अफ्रीका में रहने वाले मेंढ़क के मुंह में एक बड़ा-सा पाउच होता है। पिता डार्विन मेंढ़क अपने अंडों को इस पाउच में रख लेते हैं, जहां ये अंडे टेडपोल बनने तक सुरक्षित रहते हैं। मुंह में होने पर भी इस पाउच से मेंढ़क को कैटफिश की तरह खाना खाने में कोई दिक्कत नहीं होती। उसका यह पाउच इतना बड़ा होता है कि अंडों से निकले टेडपोल को भी आराम से संभाल लेता है। जब इन टेडपोल की पूंछ खत्म हो जाती है और वे छोटे-से मेंढ़क का रूप ले लेते हैं, तब वे मुंह से कूद कर बाहर आ जाते हैं।

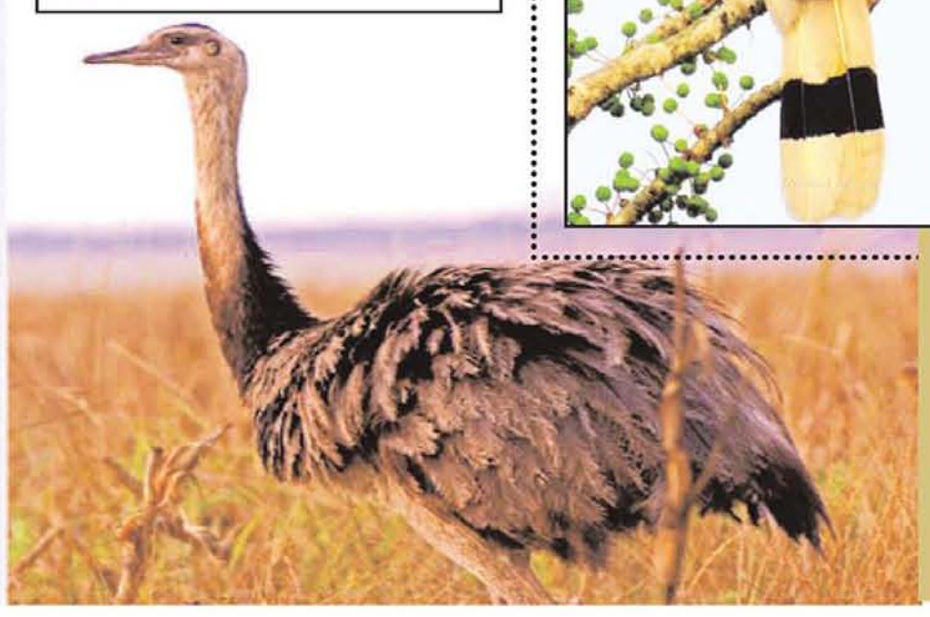

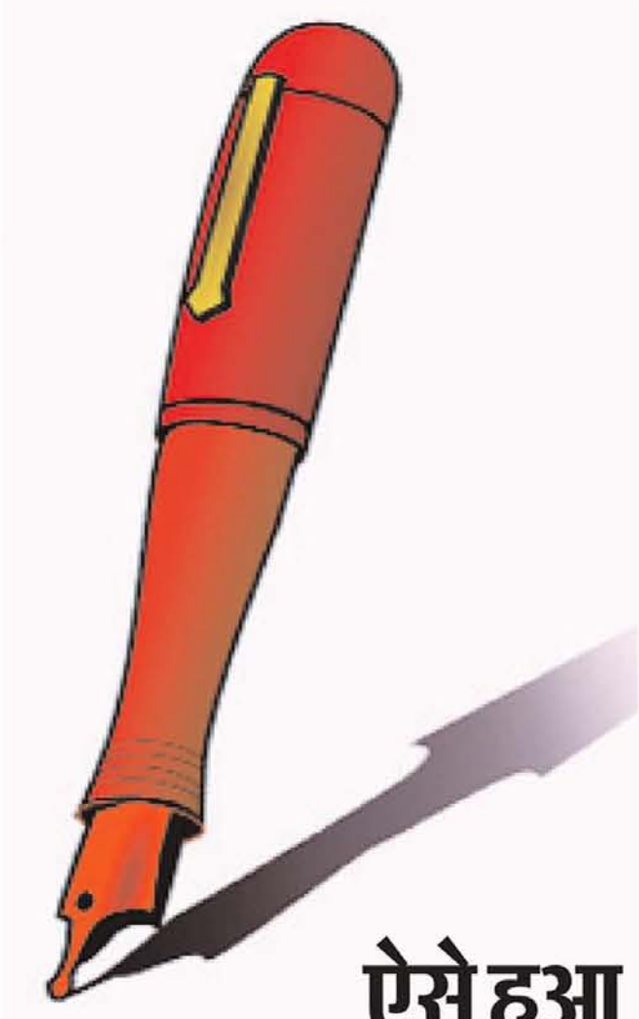

ऐसे हुआ पेन का जन्म

अपनी सोच, अहसास और इतिहास तक का संग्रह बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले औजार का नाम कलम यानी पेन है। इसी कलम की वजह से आज हमें अपने पूर्वजों के बारे में जानकारियां मिली हैं। इसके इतिहास की बात करें तो माना जाता है कि करीब 24,000 बीसी का वक्त रहा होगा जब नुकीले पत्थरों से लिखने का काम दुनिया में आरंभ किया गया। गुफाओं में रहने वाले लोगों ने इन्हीं नुकीले पत्थरों से दीवारों पर चित्रकारियां कीं। इन चित्रों में उनकी जिंदगी की झलक थी। ये चित्रकारी शिकार या खेती पर आधारित थी। नामीबिया व दक्षिण पश्चिम की दीवारों पर मिली पेंटिंग को अब तक की सबसे पुरानी रॉक पेंटिंग माना जा रहा है। कागज के आने से पहले लोग क्ले या मोम के पटल पर तीखे नोक वाली धातु से लिखा करते थे। लगभग 6,000 वर्ष पहले मिस्त्र के लोगों ने पेपर जैसी चीज खोजी। इसका नाम पैपीरस था। यह बुनी हुई चटाई की तरह था, जिसे कूटकर पतले से कड़े कागज का रूप दिया गया। प्राचीन यूनानियों को भी लिखने के लिए इस तरह के कागज के उपयोग के बारे में जाना जाता है। यूनानी इसे जानवरों के चमड़े से बनाते थे। अब लिखने के लिए किसी पटल की जरूरत तो थी ही, साथ में किसी ऐसी चीज जैसे नुकीली धातु या नुकीली हड्डियों से लिखना भी इस तरह कागज पर उचित नहीं था, क्योंकि यह फट सकता था। इसलिए मिस्त्र के लोगों ने रीड पेन का निर्माण किया, जिससे आराम से उनके द्वारा बनाए गए पटल पर बिना किसी खरोंच के शब्दों को उकेरा जा सके। बांस के पौधे के तने से पतले व खोखले हिस्से का उपयोग पटल पर लिखने के लिए किया जाने लगा। इसे ही मिस्त्र के नागरिकों ने बाद में फाउंटेन पेन का शुरुआती रूप दिया। वे इसके एक सिरे को नुकीला बना निब या प्वाइंट का रूप देते थे तथा इसके खोखले हिस्से में स्याही भरकर लिखने का काम करते थे। लिखने के दूसरे औजार के रूप में क्विल पेन यानी किसी पक्षी के पंख से बना पेन भी लंबे समय तक उपयोग में लाया जाता रहा। यह 1,300 वर्ष पहले 700 एडी में अस्तित्व में आया। साधारणत: बत्तख का पंख उपयोग किया जाता था, हंस के पंख उच्च कोटि के थे, जो काफी मुश्किल से मिलने के साथ ही महंगे भी हुआ करते थे। सुंदर चित्रकारी के लिए कौवे का पंख बेहतर माना जाता था, उसके बाद चील, उल्लू व पेरू पक्षी का पंख आया। पर इन पक्षियों के पंख से बने पेन को तैयार करना अपने आप में एक लंबा काम था, जिसमें समय भी लगता था और ये काफी महंगे भी हुआ करते थे। समय के साथ लोगों ने हर क्षेत्र में काफी उन्नति की। साथ ही लेखन क्षेत्र में भी अपनी निर्माण कुशलता दिखाते हुए उन्होंने लेखन के लिए उपयोग में लाए जाने वाले औजार को भी विकसित करने की सोची, जो 19वीं शताब्दी में आधुनिक फाउंटेन पेन के रूप में विकसित हुआ। इसके बाद बॉल पेन आदि बाजार में आए।

रिया

शुतुरमुर्ग की तरह दिखने वाला पक्षी रिया दक्षिण अमेरिका में मिलता है। बच्चों के लालन-पालन में पिता रिया ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नर रिया ही घोंसला बनाते हैं। मां रिया इनमें अंडे देकर चली जाती है। पिता 6 सप्ताह तक अंडे को सेते हैं। पिता ही शिशु रिया को 6 महीने तक फीड कराते हैं, देखभाल करते हैं, उन्हें अपनी पीठ पर बिठा कर एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं और बड़े होने पर उन्हें अपने दम पर जीवन जीने के गुर सिखाते हैं।

दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आईं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया।

मानुषी ने दिया जवाब

मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है।

आखिरी बार 'तेहरान' में नजर आई थीं मानुषी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आई हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है।

'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने ऑरा टूर में व्यस्त हैं। फिल्मों की बात करें तो दिलजीत अब 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी नजर आएंगे।

600 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची 'कांतारा चैप्टर 1', 26वें दिन भी जुटाए इतने करोड़ रुपए

ऋषभ शेट्टी स्टारर 'कांतारा चैप्टर 1' धीरे-धीरे बॉक्स ऑफिस पर एक महीना पूरा करने के करीब है। 26 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर हासिल कर रही है। अब फिल्म के 26वें दिन की भी कमाई सामने आ गई है। जानिए चौथे सोमवार को फिल्म ने किया कैसा प्रदर्शन? 'कांतारा चैप्टर 1' सिनेमाघरों में 26 दिन पूरे कर चुकी है। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। अब फिल्म ने 26वें दिन अपने चौथे सोमवार को भी 3.25 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 592.85 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुरः द फिल्म में हुई एंट्री

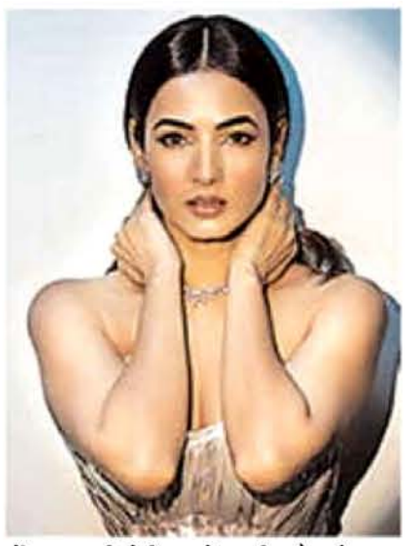

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुरः द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैंइस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

भावुक होकर मांगी माफी

बंद कमरे में करूर भगदड़ पीड़ितों से मिले विजय

अभिनेता-राजनेता विजय ने सोमवार को महाबलीपुरम में करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद घटना के लिए उनसे माफी मांगी। करूर भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। यह बैठक भगदड़ के एक महीने बाद हुई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के सूत्र के मुताबिक करूर से कुल 37 परिवारों को बैठक स्थल पर लाया गया था। इन लोगों से विजय ने एक रिसॉर्ट में मुलाकात की जहां पार्टी ने लगभग 50 कमरे बुक किए थे। खबरों के मुताबिक विजय ने पीड़ित परिवारों को शिक्षा, स्वरोजगार और आवास के अलावा आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। परिवारों से मुलाकात के दौरान, विजय ने उन्हें महाबलीपुरम लाने के लिए उनसे माफी मांगी और कहा कि वह करूर नहीं जा सके क्योंकि उन्हें अधिकारियों से अनुमति नहीं मिल पाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही करूर में उनसे जरूर मिलेंगे।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं। मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा !

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे। इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। पुरानी है सलमान और गोविंदा की दोस्ती

सलमान और गोविंदा दशकों से दोस्त हैं, उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। गोविंदा अक्सर सलमान को अपने करियर को खराब दौर में फिर से पटरी पर लाने का श्रेय देते हैं। सलमान और गोविंदा आखिरी बार 'पार्टनर' फिल्म में नजर आए थे। दोनों इसके अलावा 'सलाम-ए-इश्क' में भी साथ में काम कर चुके हैं।

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था।

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं। अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया।

सूरत-ए-शहर का जायजा लेने सड़कों पर उतरे सीईओ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम. ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर वहां की सफाई और रखरखाव व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक एके वर्मा, उप प्रबंधक विजय रावल, और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर सड़कों पर गड्ढे हैं, जिन्हें जल्द से जल्द भरने के निर्देश दिए गए। भविष्य में सड़कों को स्मूथ बनाने के लिए उचित उपाय करने की बात कही गई। सड़कों पर गड्ढों और खुले होल की सफाई के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया। सेक्टर-1 में एक औद्योगिक भूखंड से नाले में हो रहे प्रदूषण को रोकने के लिए संबंधित औद्योगिक इकाई को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने यह भी पाया कि कई स्थानों पर सड़कें और फुटपाथ क्षतिग्रस्त हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ रही है। इन स्थानों पर सुधार कार्य के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उद्योग मार्ग पर अवैध पार्किंग और कचरे की समस्या को लेकर संबंधित इकाइयों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-11, 8 और 9 में कचरे की समस्या को लेकर स्वास्थ्य विभाग को सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उद्योग मार्ग पर फुटपाथ की व्यवस्था को सुधारने के लिए 6 इंच ऊंचे फुटपाथ बनाने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-6 और 8 में टूटी हुई स्ट्रीट लाइट्स और ड्रेनेज सिस्टम की मरम्मत के लिए भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा, निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर अवैध केमिकल और कचरा जमा है। इसे हटाने और उचित प्रबंधन के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। सेक्टर-11 में पानी की पाइपलाइन की खराब स्थिति को सुधारने के लिए जल विभाग को निर्देश दिए गए। सीईओ ने सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और सुधार के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-76 और 77 में सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और सुधार के निर्देश दिए गए।

एमिटी के संस्थापक डॉ. अशोक चौहान को "शिक्षा में दूरदर्शी नेता" का पुरस्कार

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार चौहान को "शिक्षा में दूरदर्शी नेता पुरस्कार-2025" से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में बीजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सस्मित पात्रा और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव शकधर ने डॉ. अशोक चौहान को यह पुरस्कार दिया। डॉ. चौहान को यह पुरस्कार भारत में उच्च शिक्षा के एक महान दूरदर्शी नेता के रूप में प्रदान किया गया, जिनकी दूरदर्शिता और प्रभाव भारत के शिक्षा परिदृश्य को निरंतर नया रूप दे रहा है।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. अशोक के. चौहान ने हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं अत्यंत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूँ। यह पुरस्कार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा को एकीकृत करके विश्व में सार्थक प्रभाव डालने के हमारे मिशन का प्रमाण है। एमिटी में, हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने, युवाओं को पोषित करने और उन्हें 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति बनाने के मिशन में योगदान देने के लिए प्रेरित करने में विश्वास करते हैं। बीजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य, डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा, कि डॉ. अशोक कुमार चौहान भारत में व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं।

इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. अतुल चौहान, पूर्व केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री डॉ. के.जे. अल्फोंस, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

सेक्टर-82 आरडब्ल्यूए ने बांटे मास्क

नोएडा (चेतना मंच)। ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 सेक्टर-82 में आरडब्ल्यूए द्वारा प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर पहुंचने पर यहां के निवासियों को मास्क बांटने का काम किया।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि नोएडा में प्रदूषण का लगातार बढ़ता स्तर लोगों की दम घोंट रहा है। प्रदूषण के कारण आंखों में जलन हो रही है साथ ही सांस लेने में बेहद तकलीफ हो रही है।

नोएडा प्राधिकरण को इस प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए।

सेक्टरों में पानी का छिड़काव हो जिससे प्रदूषण से कुछ राहत मिल सके साथ ही एनजीटी को नियमों का कड़ाई से पालन कराना चाहिए। खतरनाक प्रदूषण को देखते हुए छोटे बच्चों की छुट्टी कर देना चाहिए। जानलेवा प्रदूषण से बचने के लिए सभी लोग मास्क का प्रयोग जरूर करें। यह प्रदूषण कई घातक बीमारियों को जन्म दे सकता है। बचाव ही सुरक्षा है

डीएम ने सुनी उप्र युवा व्यापार मंडल की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम के समक्ष उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने व्यापारियों को हो रही परेशानियों के बारे में अवगत करवाया। जिलाधिकारी ने तुरंत प्रभाव से सभी अधिकारियों को फ़ोन कर समस्याओं का समाधान किया।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि सूरजपुर के कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखी गई, जिसमें प्रमुख तौर पर भंगेल बरौला एलिवेटेड, नोएडा अथॉरिटी, GST डिपार्टमेंट और ट्रैफ़िक पुलिस का मुद्दा छाया रहा।

व्यापारी शिवा चौहान ने बताया कि पिछले सात वर्षों में एलिवेटिड रोड के चलते नोएडा के दुकानदार यहाँ से पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

व्यापारी मनीष शर्मा ने बताया कि होशियारपुर में चार यूटर्न होने से यहाँ दुर्घटनाएँ आम तौर पर हर

रोज़ होती है PNB बैंक के सामने यूटर्न बंद करने के लिए जिलाधिकारी उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की ओर से को पत्र दिया गया।

प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने बताया किस प्रकार ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा रोड पर खड़ी गाड़ियों का चालान किया जाता है मगर नोएडा अथॉरिटी द्वारा पार्किंग की कोई सुविधा नहीं दी जा रही है जिससे हमारे बाज़ार दिन प्रतिदिन ख़त्म होते जा रहे हैं।

प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल ने कहा कि जहाँ भी सड़कों पर लावारिस गाड़ियां खड़ी है नोएडा पुलिस द्वारा उन गाड़ियों को वहाँ से हटवाया जाए।

प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने कहा कि दिल्ली से चलकर नोएडा होते हुए जो बसे हैं सामान लोड कर कर जाते हैं उनका RTO द्वारा चलान क्यों नहीं किया जाता है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि किस प्रकार नॉएडा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम अर्जित कर रहा है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा जिलाधिकारी को सम्मानित किया गया।

जनपद में आयोजित होगा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला

नोएडा (चेतना मंच)। रोजगार की तलाश में घूम रहे युवाओं के लिए एक खास मौका है। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा गौतमबुद्धनगर यज्ञ देव सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला का आयोजन 31 अक्टूबर, 2025 को राजकीय आई.टी.आई., सेक्टर-31 निठारी गौतमबुद्धनगर में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यह मेला हाईस्कूल, इंटरमीडिएट अथवा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किसी भी ट्रेड में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों सहित प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

उन्होंने ने बताया कि इस शिक्षुता मेले में जनपद गौतमबुद्धनगर की नामी-गिरामी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जो योग्य अभ्यर्थियों को रोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने किया महर्षि विवि. का दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा कैंपस में अफ्रीकी देश बरकीना फासो से आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में बरकीना फासो के मंत्री श्री सनोऊ दोलाये और श्री अलीदो कोतो शामिल थे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य महर्षि यूनिवर्सिटी और बरकीना फासो के बीच शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करना था।

दोनों पक्षों ने छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, संयुक्त शोध कार्य और भविष्य में निवेश के अवसरों पर विस्तृत बातचीत की। इसके साथ ही, नए कोर्स विकसित करने और संस्थागत क्षमता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई गई। इस मौके पर डिप्लोमैटिक क्लब की रेखा कपूर और वर्ल्ड कल्चर फोरम के सिमरजीत कोचर भी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय की ओर से फाउंडर डायरेक्टर जनरल प्रो. ग्रुप कैप्टेन ओ. पी. शर्मा, डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स डॉ रतीश गुप्ता, डीन अकेडमिक्स डॉ तृप्ति अग्रवाल और जनसंपर्क अधिकारी शिवम् यादव ने अतिथियों का स्वागत किया।

आर्थिक आजादी की आधारशिला है आत्मनिर्भर भारत का संकल्प: चंद्र मोहन

भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर युवा सम्मेलन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा नोएडा महानगर ने जिला अध्यक्ष भाजयुमो रामनिवास यादव के नेतृत्व में और भाजपा जिलाध्यक्ष नोएड़ा महेश चौहान के मार्गदर्शन में नोएडा में एवियर इंस्टीट्यूट सेक्टर-62 में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विषय पर एक युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत होने वाले युवा सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि प्रदेश मंत्री भाजपा चंद्रमोहन सिंह, विशिष्ट अतिथि अंजलि चौहान प्रदेश मंत्री युवा मोर्चा मौजूद थीं।

चंद्रमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ऊंचाई ऊंचाइयां छू रहा है द्य आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक स्वतंत्रता की आधारशिला है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना और स्थानीय उद्योगों

को सशक्त करना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है। अंजली चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार ने हर वर्ग को सशक्त करने का कार्य किया है, जिससे आज भारत विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा है।

मंच का संचालन जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा विपुल शर्मा ने किया। युवा मोर्चा अध्यक्ष रामनिवास यादव ने वहां मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद किया।

सम्मेलन में जिला महामंत्री डिम्पल आनंद, चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, रितेश वर्मा, सत्यम सिंह, प्रवीण चौहान, नवीन मिश्रा, तुषार गोयल, सूर्य शर्मा, दीपक मेहरा, चंचल सिंह, लेखराज, बेनीवाल, कपिल धारीवाल, ललित शर्मा, सौरभ चौहान, आकाश चौहान, गुरमीत सिंह, उत्कर्ष मिश्रा, रवि बाल्मीकि, रामकृष्ण यादव, नीरज चौधरी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाऊराव देवरस स्कूल में होगा 'सप्तशक्ति संगम'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम की जानकारी के लिए एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई जिसमें बताया गया कि अखिल भारतीय विद्या भारती द्वारा 5 अक्टूबर 2025 से 23 जनवरी 2026 तक नारी शक्ति को जागृत करने के लिए 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में डॉ. कविता रस्तोगी ने बताया कि 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम के तहत भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा गौतम बुद्ध नगर और श्री राधाकृष्ण सरस्वती बालिका विद्या मंदिर तथा सरस्वती शिशु मंदिर संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत गीता में नारी की सप्त शक्तियों की चर्चा की गई है जिसमें कीर्ति, लक्ष्मी, वाणी, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा शामिल है, इन्हीं गुणों को जाग्रत करने के लिए यह कार्यक्रम 5 अक्टूबर से शुरू होगा और 23 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लगभग 300 महिलाएं सम्मिलित होगी।

डॉ. नीतू सिंह ने बताया कि विद्या भारती के माध्यमों से संस्कारों की पाठशाला पूरे देश में संचालित है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ कविता रस्तोगी एवं अन्य वक्ताओ के रूप में भारत विकास परिषद से सुमन गुप्ता एवं भाजपा नेत्री शारदा चतुर्वेदी रहेंगी।

पूनम माथुर ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं का, महिलाओं के लिए, महिलाओं के द्वारा संचालित कार्यक्रम है, जिसमें माताएं, मातृ भारती सदस्य, छात्राएं, शिक्षिकाएं और समाज सेवी मातृ शक्ति शामिल होंगी।

भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा के प्रधानाचार्य सोमगिरि ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना है इसी के साथ कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण विषय पर चर्चा होगी।